दैनिक
एशियन रिपोर्टर
RNI.NO.MPHIN/2013/54854
www.asianreporter.online

एशियन रिपोर्टर समूह
Since 1994
मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से प्रकाशित साप्ताहिक एवं दैनिक समाचार पत्र , ई-पेपर, न्यूज पोर्टल एवं यूट्ब वेब चैनल से जुड़कर पत्रकारिता सीखने अथवा निष्पक्ष,निर्भीक,राष्ट्रवादी पत्रकारिता करने के लिए आज ही हमसे जुड़ने के लिए संपर्क करें।
केवल व्हाट्सअप
8349212122

वर्ष : 13, अंक -62 | संपादक : कल्याण मल जैन | भोपाल, शुक्रवार 02 जनवरी 2026 | प्रधान संपादक : सुश्री मैना जैन | पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

राजस्थान में 150 किलो विस्फोटक पकड़ाया

- यूरिया खाद की बोरियों में छुपा रखा था अमोनियम नाइट्रेट

टोंक (एजेंसी)। राजस्थान के टोंक में कार से 150 किलो विस्फोटक (अमोनियम नाइट्रेट) ले जा रहे 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में सामने आया कि ये अमोनियम नाइट्रेट टोंक में ही सप्लाई होना था। मामला बरौनी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 स्थित चिरौंज गांव का है। कार सवार लोगों ने

यूरिया खाद के कट्टों में इस विस्फोटक को छुपा कर रखा था, ताकि पकड़ में नहीं आ सके। डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया- ये अमोनियम नाइट्रेट किसी भी विस्फोट की घटना को अंजाम देने में काफी है। इसकी जांच की जा रही है कि इन लोगों ने विस्फोटक कहां से, किससे खरीदा था और किसे सप्लाई करने वाले थे। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया-हाईवे पर नाकाबंदी थी। सुबह 9 बजे बूंदी से टोंक की तरफ यह कार जा रही थी।

खालिदा जिया के अंतिम विदाई में शामिल होने पहुंचे जयशंकर

- पति की कब्र के पास दफनाया गया, जनाजे में 10 लाख लोग पहुंचे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की नमाज-ए-जनाजा बुधवार दोपहर ढाका के मानिक मियां एवेन्यू पर अता की गई। इस दौरान अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी मौजूद रहे। जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कई विदेशी मेहमान भी ढाका आए। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका पहुंचे। जिया को संसद परिसर स्थित जिया उद्यान में उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के पास दफनाया गया। उनके जनाजे में शामिल

होने के लिए देशभर से 10 लाख लोग जुटे। खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 80 साल की उम्र में निधन हुआ। वह पिछले करीब 20 दिनों से अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं। उनके निधन पर बांग्लादेश सरकार ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। इस दौरान पूरे देश में सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी सरकारी कार्यक्रम स्थगित रहेंगे। खालिदा जिया के जनाजे में 10 लाख लोग शामिल हुए। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के इतिहास में इतनी बड़ा जनाजा पहले कभी नहीं हुआ। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस व दलों के टॉप लीडर्स शामिल हुए।

दर्द निवारक दवा निमेसुलाइड पर लगा ब्रेक

- 100 एमजी से ज्यादा वाली दवा पर लागू होगा प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली निमेसुलाइड दवा के 100 मिलीग्राम से अधिक डोज की सभी ओरल (खाने वाली) दवाओं की मैन्यूफैक्चरिंग और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है। जो दर्द तो कम करती है लेकिन इसकी ज्यादा डोज से लिवर खराब होने का खतरा रहता है। यह प्रतिबंध केवल अधिक डोज (100 मिलीग्राम) वाली निमेसुलाइड पर लागू होगा। जबकि कम डोज

की दवाएं मिलती रहेंगी। निमेसुलाइड ब्रांड बेचने वाली दवा कंपनियों को अब ज्यादा डोज वाली दवाओं का प्रोडक्शन बंद करना होगा। जो दवाइयां पहले से बाजार में मौजूद हैं उन्हें वापस मंगाना होगा। निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है। ये संभावित लिवर टॉक्सिसिटी और दूसरे बुरे असर के कारण दुनिया भर में जांच के दायरे में रही है। ऐसे में यह कदम सुरक्षा मानकों को सख्त करने और ज्यादा जोखिम वाली दवाओं को धीरे-धीरे हटाने की कोशिशों के मुताबिक है। यह बैन सिर्फ इंसानों के इस्तेमाल के लिए हाई-डोज प्रोडक्ट्स पर लागू होता है, जबकि कम डोज वाले फॉर्मूलेशन और दूसरे थेराप्यूटिक विकल्पों को उपलब्ध रहने दिया गया है। निमेसुलाइड ब्रांड्स की मार्केटिंग करने वाली फार्मास्युटिकल कंपनियों को प्रोडक्शन रोकना होगा। साथ ही, प्रभावित बैचों को वापस मंगाना होगा। जबकि एनालिस्ट्स ने बड़ी दवा कंपनियों पर सीमित फाइनेंशियल असर का अनुमान लगाया है।

वेलकम 2026

नए साल का आगाज

जश्न में डूबे लोग

- मंदिरों में उमड़ी भारी भीड़, श्रद्धालुओं का लगा तांता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में नए साल की एंट्री हो गई है। दुनिया के सबसे पूर्वी छोर पर बसे द्वीप देश किरिबाती में रात के 12 बजते ही साल 2026 की शुरुआत हो गई है। किरिबाती में भारत से 8.30 घंटे पहले नए साल की शुरुआत हो जाती है। ठीक एक घंटे बाद न्यूजीलैंड में भी नए साल ने दस्तक दे दी। न्यूजीलैंड में भारत से साढ़े 7 घंटे पहले, जबकि अमेरिका में साढ़े 9 घंटे बाद नया साल आता है। दुनियाभर में अलग-अलग टाइम जोन के कारण 29 देश ऐसे हैं जो भारत से पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरिबाती, समोआ और टोंगा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, म्यांमार, जापान, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, नेपाल शामिल हैं। किरिबाती के बाद न्यूजीलैंड के चैथम आईलैंड में भी नया साल पहुंच गया। यहां सिर्फ करीब 600 लोग रहते हैं। होटल चैथम के बार में स्थानीय लोग 2025 के आखिरी पल साथ बिता रहे थे। वहीं भारत में नए साल से पहले ही जश्न की शुरुआत हो चुकी है। मंदिरों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। काशी-मथुरा और अयोध्या में भक्तों का हुजूम उमड़ा है।

धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लोगों का उमड़ा सैलाब

- काशी-अयोध्या और वृंदावन में भीड़, 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे

खाटूश्यामजी में 72 घंटे दर्शन होंगे, पहलगाम में सैलानी उमड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल से पहले देशभर के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर लोगों का सैलाब सा उमड़ पड़ा है। अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में 3 लाख और वृंदावन में 4 लाख भक्त मौजूद हैं। राजस्थान के जैसलमेर में पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा भीड़ है। सीकर के खाटूश्यामजी में नए साल के मौके पर 72 घंटे दर्शन होंगे। उज्जैन के महाकाल लोक में कल साल के पहले दिन 12 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद घाटी में एक बार फिर से रौनक लौट आई है। पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की भीड़ है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे विंटर डेस्टीनेशन में होटलों की बुकिंग करीब 100 फीसदी तक पहुंच गई है। नए साल की छुट्टियां मनाने बड़ी संख्या में टूरिस्ट जयपुर आए हैं। हवा महल समेत यहां के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रौनक है। आमेर फोर्ट, सिटी पैलेस, जंतर-मंतर में भीड़ है।

डीआरडीओ का कमाल!

एक लॉन्चर से दागीं बैक टू बैक 2 प्रलय मिसाइल

- भारत ने किया सफल परीक्षण, 7500 किमी की रफ्तार
- 1000 किलोग्राम तक गोला बारूद ले जाने में है सक्षम

बालासोर (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बुधवार को ओडिशा तट के पास प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस दौरान एक ही लॉन्चर से बैक टू बैक दो प्रलय मिसाइलें (सल्वो लॉन्च) दागी गईं। मिसाइलों की पूरी उड़ान पर नजर रखने के लिए चांदीपुर में स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के सेंसर लगाए गए थे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परीक्षण सुबह करीब 10.30 बजे किया गया। जो कि सेना के उपयोग से जुड़ी जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) का हिस्सा था। दोनों मिसाइलें तय किए गए रास्ते पर ठीक तरह से उड़ीं और सफलतापूर्वक लक्ष्य पूरे किए। रक्षा मंत्रालय ने इसे भारत की सामरिक मिसाइल क्षमता के लिए एक अहम उपलब्धि बताया है। प्रलय मिसाइल को पूरी तरह स्वदेशी है और डीआरडीओ ने ही इसे बनाया है। इससे पहले डीआरडीओ ने 28-29 जुलाई को ओडिशा तट पर ही प्रलय मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए थे। ये परीक्षण भी परीक्षण सेना और वायुसेना के उपयोग की जांच (यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल) के तहत किए गए थे। स्वदेशी तकनीक से विकसित इस आधुनिक क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल के जल्द हीं भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल किया जाना है, जिससे देश की रक्षा क्षमता और आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। इससे पहले भारत ने 23 दिसंबर को बंगाल की खाड़ी में 3,500 किलोमीटर रेंज वाली च-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। यह टेस्ट आईएनएस अरिघाट से विशाखापट्टनम तट के पास किया गया। भारत जमीन, हवा के बाद अब समुद्र से भी परमाणु हथियार लॉन्च कर सकेगा। ये मिसाइल 2 टन तक न्यूक्लियर वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। के-सीरीज की मिसाइलों में के अक्षर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में रखा गया है। इनकी भारत के मिसाइल कार्यक्रम में अहम भूमिका रही है। प्रलय एक शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है जिसकी स्ट्राइक क्षमता 150 एमएम से 500 एमएम बताई जाती है। पारंपरिक युद्ध के लिए डिजाइन की गई यह मिसाइल रडार इंस्टॉलेशन, कमांड सेंटर और एयरस्ट्रिप जैसे रणनीतिक लक्ष्यों पर हाई-प्रिसिशन हमले करने में सक्षम है। स्वदेशी टेक्नोलॉजी से डेवलप की गई यह मिसाइल घरेलू रक्षा मैन्युफैक्चरिंग को मजबूत करेगी।

बैक्ट्रियन ऊंट, जांस्कर टट्टू रैप्टर्स और डॉग करेंगे मार्च

- गणतंत्र दिवस पर अबकी सेना की पशु टुकड़ी भी करेगी परेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस 2026 की परेड में इस बार सेना की पशु टुकड़ी भी मार्च करेगी। इसके लिए पहली बार सेना की रीमाउंट एंड वेटरनरी कॉर्प्स की टुकड़ी को विशेष रूप से चुना गया है। इसका उद्देश्य देश की सबसे कठिन सीमाओं की रक्षा में पशुओं की महत्वपूर्ण

भूमिका को सामने लाना है। इस टुकड़ी में दो बैक्ट्रियन ऊंट, चार जांस्कर टट्टू (पोनी), चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स), भारतीय नस्ल के 10 सेना के कुत्ते, तथा वर्तमान में सेवा में तैनात छह पारंपरिक सैन्य कुत्ते शामिल होंगे। ये सभी मिलकर भारतीय सेना के संचालन तंत्र में परंपरा, नवाचार और आत्मनिर्भरता का संगम प्रस्तुत करेंगे। टुकड़ी का नेतृत्व मजबूत बैक्ट्रियन ऊंट करेंगे।

इंदौर में दूषित पानी से हाहाकार

अब तक 9 की मौत

- पांच माह के बच्चे की गई जान, कलेक्टर ने 4 और महापौर ने 7 मौतें बताईं

इंदौर (एजेंसी)। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से अब तक 9 मौत हो चुकी हैं। बुधवार को पांच माह के बच्चे समेत 4 लोगों ने दम तोड़ दिया। मासूम की मां का कहना है कि सरकार बच्चों की मौत क्यों नहीं बताती। निश्चित तौर पर और भी बच्चे दूषित पानी का शिकार हुए होंगे। मौतों को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आ रही है। कलेक्टर शिवम वर्मा के अनुसार, 4 लोगों की मौत हुई और 149 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि 7 की मौत हुई है। 116 लोग बीमार हैं। जबकि 36 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। मंगलवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की थी। इनमें नंदराम (70), उर्मिला (60) और ताराबाई कोरी (70) शामिल हैं। बताया गया है कि इन तीनों की मौत डायरिया से हुई है। बुधवार को जिन

4 लोगों की जान गई है, उनमें गोमती रावत (50), उमा कोरी (31), संतोष बिगोलिया और अव्यान साहू (5 माह) शामिल हैं। दोनों महिलाएं भाऊ गली, भागीरथपुरा की रहने वाली थीं।

मरीजों का इलाज मुफ्त, पूरा खर्च शासन वहन करेगा

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त दिलीप यादव और सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। भागीरथपुरा क्षेत्र के सभी अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि वहां से आने वाले मरीजों से इलाज का कोई शुल्क न लिया जाए। मरीजों के इलाज का खर्च शासन वहन करेगा। भागीरथपुरा की 15 गलियों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा घर-घर जांच और उपचार किया गया। गंभीर मरीजों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा जा रहा है।

जंगल काटकर विकास कर लो या जंगल बचाकर विकास रोक दो

- पर्यावरण पर मोहन भागवत बोले-दो ही विकल्प

रायपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 3 दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। उन्होंने रायपुर के एम्स ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम में पर्यावरण को लेकर कहा कि वर्तमान में दुनिया केवल दो ही कॉन्सेप्ट पर चल रही है। या तो उजाड़ दो या बना दो। उन्होंने कहा कि या तो जंगल काटकर विकास कर लो, या जंगल बचाकर विकास रोक दो। हमें बीच का रास्ता निकालना होगा, जिसमें जंगल भी बचे रहें और विकास भी हो। मौजूदा समय में इस दिशा में केवल भारत ही काम कर रहा है। दूसरे देश न तो इस बात पर गंभीरता से सोच रहे हैं कि जंगल भी बचें और विकास भी हो सके। धर्मांतरण को लेकर कहा कि अपने ही लोगों पर अविश्वास, मतांतरण का एक बड़ा कारण है।

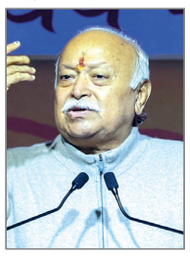

ठंडी हवाओं ने मैदानी इलाकों में बढ़ाई ठिठुरन

- एमपी में टेम्परेचर 1.7 डिग्री, छत्तीसगढ़ में ओस जमी
- जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी, भीषण ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। इसका असर मैदानी राज्यों पर नजर आ रहा है। जम्मू-कश्मीर की सोनमर्ग टनल के पास तेज बर्फबारी हुई। हिमाचल में के लाहौल स्पीति में 30 दिसंबर की शाम से बर्फबारी जारी है। यहां तापमान -10 डिग्री तक जा सकता है। मध्य प्रदेश में शहडोल के कल्याणपुर में तापमान 1.7 डिग्री रहा। छत्तीसगढ़ के मैनपाट में रात का तापमान 2 डिग्री पहुंचा। अंबिकापुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में ओस जम गई। 4 संभाग कोल्ड वेव की चपेट में हैं। राजस्थान में कड़ाके की सर्दी के बीच 2 दिन बारिश की भी चेतावनी है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार की सुबह घनी धुंध के साथ हुई। दिल्ली के कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य रही। एयरपोर्ट पर आज 148 फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। 150 फ्लाइट देरी से ऑपरेट हो रही हैं। एयरपोर्ट ने यात्रियों को

एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि नया नियम लागू किया गया है। फ्लाइट्स में देरी हो सकती है। फ्लाइट कैंसिल भी हो सकती हैं। श्रीनगर एयरपोर्ट पर बुधवार को 6 फ्लाइट रद्द की गई। इनमें इंडिगो की 1, एअर इंडिया की 3 और एअर इंडिया एक्सप्रेस की 1 फ्लाइट शामिल है। स्पाइसजेट की 1 फ्लाइट ऑपरेशनल कारणों से कैंसिल की गई है। असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में सर्दी और खराब मौसम के कारण सभी सरकारी और प्रोविंसिलाइज्ड स्कूलों की छुट्टी 6 जनवरी तक के लिए की गई है। प्राइवेट स्कूलों को खुद से फैसला लेने का कहा गया है। मध्य प्रदेश में तेज सर्दी जारी है। राज्य के पूर्वे हिस्सों जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में असर ज्यादा है। मंगलवार को शहडोल का टेम्परेचर 1.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) की एक्टिविटी से एमपी में सर्दी का असर बढ़ा है। घने कोहरे के अलावा कोल्ड वेव, कोल्ड डे का भी असर देखने को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में तेज सर्दी जारी है। अंबिकापुर, मैनपाट और गौरेला पेंड्रा मरवाही में ओस जम गई। मैनपाट में रात का पारा 2 डिग्री पहुंचा है। सरगुजा, दुर्ग और रायपुर संभाग कोल्ड वेव की चपेट में हैं। प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री दर्ज किया गया, न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले में 30 दिसंबर की शाम से बर्फबारी जारी है। यहां तापमान -10 डिग्री तक जा सकता है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल स्पीति की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी की संभावना है।

बीएमसी चुनाव में प्रकाश आंबेडकर की जगहंसाई

आवंटित 62 सीट में से 20 पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं

मुंबई, एजेंसी। मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के बीच हुए गठबंधन को उस समय झटका लगा, जब यह बात सामने आई कि प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए के पास उसे 20 सीट पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार नहीं हैं और उसने ये सीट 'वापस' कर दी हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि उन्हें इन 20 वार्डों के कांग्रेस मतदाताओं के साथ सहानुभूति है। मुंबई

आवंटित 62 सीट में से 20 पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के 15 जनवरी को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा मंगलवार को समाप्त हो गई। वीबीए के पास उम्मीदवार न होने की इस स्थिति के बाद अब कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। महानगरपालिका की कुल 227 सीट के लिए रविवार को कांग्रेस और वीबीए के बीच 143-62 के अनुपात में सीट बंटवारे का समझौता हुआ था। इसमें से कुछ सीट राष्ट्रीय समाज पक्ष और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई गुट) को देने का निर्णय लिया गया था। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि वीबीए ने पार्टी को सूचित किया है कि उसके पास और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में दलित मतदाताओं के बीच वीबीए का प्रभाव है। डॉ. बी आर आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली इस पार्टी का मुख्य आधार 'नवबौद्ध' मतदाता हैं। हो रही जगहंसाई, आलोचकों के निशाने पर आए महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिकाओं के लिए मतदान 15 जनवरी, 2026 को होगा, जबकि जिला परिषद चुनावों की औपचारिक घोषणा अबतक नहीं की गई है। 20 सीटों पर उम्मीदवार नहीं उतार पाने की वजह से सियासी हलकों में प्रकाश आंबेडकर की जगहंसाई हो रही है। उनके आलोचक इस बात केलिए उन पर निशाना साध रहे हैं कि जब उनके पैस कैडर नहीं थे तो सीट बंटवारे में उतनी सीटों क्यों ली और कांग्रेस ने बिना जमीनी स्थिति को समझे कैसे इतनी सीटें उन्हें दे दी।

5,000 का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करना था

चुनाव लड़ने के लिए बोरी में पैसे भरकर ले आया उम्मीदवार

अकोला, एजेंसी। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनावों की भरकर ऑफिस पहुंच गए। न्यूज 18 की एक रिपोर्ट के

तैयारियों के बीच अकोला नगर निगम के एक उम्मीदवार लक्ष्मीकांत अग्रवाल का दिलचस्प नामांकन चर्चा में आ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए 5,000 रुपये का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करना था। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि जब लक्ष्मीकांत अपने पैसे लेकर दफ्तर पहुंचे, अधिकारी हैरान रह गए। दरअसल लक्ष्मीकांत इन रुपयों के सिक्के, बोरी में मुताबिक घटना जोन 5, वार्ड 15 में हुई। लोकतांत्रिक जनआधार पार्टी के उम्मीदवार लक्ष्मीकांत अग्रवाल ने अपना नामांकन पत्र मंगलवार को दाखिल किया था। इस दौरान नोटों की गड्डी के बजाय अग्रवाल ने अधिकारियों की मेज पर 5, 10 रुपये के सिक्कों के बंडल के साथ 10, 20, और 50 रुपये के नोट रख दिए। अधिकारियों को इन रुपयों को गिनने में काफी समय लग गया।

संभल तक बनेगा स्टेट हाईवे

नए साल पर यूपी के दो जिलों के बीच होगा निर्माण

अलीगढ़, एजेंसी। नए साल एक दिन पहले अलीगढ़ और हाथरस जनपद के लिए अच्छी खबर आई है। दोनों जनपद के बीच से स्टेट हाइवे के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। लोक निर्माण विभाग ने आबादी और यातायात घनत्व को देखते हुए अलीगढ़ से सासनी होते हुए संभल के लिए नए राज्य मार्ग का प्रस्ताव शासन को भेजा है। वर्तमान में यह सभी अतिरिक्त जिला मार्ग हैं। इनकी चौड़ाई के साथ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को भी शामिल किया गया है। नया स्टेट हाइवे एनएच 509 व एनएच 32 को जोड़ते हुए संभल जाएगा। आगरा व हाथरस के लोगों को संभल जाने के लिए अलीगढ़ नहीं आना होगा।

अलीगढ़ और हाथरस जनपद में सड़कों पर यातायात के बढ़ते घनत्व के दबाव को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने ओडीआर मार्ग को जोड़ते हुए नए स्टेट हाइवे का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा है। 81.41 किलोमीटर के नए स्टेट हाइवे से चार जिलों के लोगों की प्रत्यक्ष रूप से दूरी कम हो जाएगी।

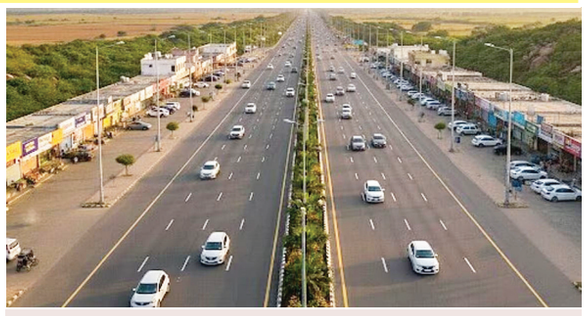

तीनों जिलों में यह रूट किया गया प्रस्तावित

हाथरस जनपद में सासनी अकराबाद, सासनी रेलवे फीडर मार्ग, सासनी नानऊ मार्ग, अलीगढ़ में नानऊ दादों मार्ग, दादों सांकरा मार्ग, सांकरा मिठनपुर मार्ग, सांकरा से भावरुखेड़ा गंगा नदी व संभल में मेरठ बदायूं मार्ग के किलोमीटर 159 से घोसी का राजा मार्ग, मिठनपुर से बैरपुर संभल मार्ग शामिल है। स्टेट हाइवे की लंबाई अलीगढ़ में 52.82 किलोमीटर, हाथरस में 14 किलोमीटर व संभल में 14.59 किलोमीटर शामिल है।

● **एक-डेढ़ घंटे में पहुंचेंगे संभल-** नया स्टेट हाइवे बनने के बाद के अलीगढ़ और हाथरस वालों का सफर संभल के लिए आसान हो जाएगा। एक से डेढ़ घंटे में सफर तय कर पाएंगे। अभी तक अलीगढ़ से संभल जाने में दो से ढाई घंटे का समय लगता है। मार्ग की स्थिति अच्छी नहीं है। लोक निर्माण विभाग ने नए अलीगढ़ संभल स्टेट हाइवे को लेकर जो प्रस्ताव तैयार किया है वह राज्य मार्ग दस मीटर चौड़ा होगा। वर्तमान में ओडीआर मार्गों की चौड़ाई कहीं पांच मीटर तो कहीं उससे कम है। स्टेट हाइवे के नए मानक के अनुसार चौड़ाई की जाएगी। अलीगढ़, सासनी व संभल की सीमा में जमीन अधिग्रहण भी शामिल है।

जी राम जी कानून को निलंबित कीजिए

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खत लिखकर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रामजी) अधिनियम के कार्यान्वयन को निलंबित करने की अपील की है। सिद्धारमैया ने कहा है कि नया कानून रोजगार गारंटी ढांचे को मौलिक रूप से कमजोर करने के साथ ही सहकारी संघवाद को अशक्त बनाने का काम करेगा। मंगलवार को मोदी को लिखे एक विस्तृत पत्र में, मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को 'निरस्त' किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने पत्र में कहा कि नया कानून मांग-अधिकार-आधारित व्यवस्था को खत्म करने का जोखिम पैदा करता है, जबकि इसी व्यवस्था ने ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका संबंधी सुरक्षा जाल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सिद्धारमैया ने मनरेगा के स्थान पर नए कानून को लेकर लिखा कि यह बदलाव रोजगार गारंटी कानून के मूल उद्देश्य को ही

मुंबई में माहौल खराब करना चाहती है भारतीय जनता पार्टी संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। बीएमसी यानी बृहन्मुंबई महानगरपालिका के चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं। अब

शिवसेना (यूबीटी) ने भारतीय जनता पार्टी के प्रचार कार्यक्रम पर सवाल उठा दिए हैं। पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा है कि मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आने की क्या जरूरत है। साथ ही उन्होंने राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भी तंज कसा है। पीएम मोदी के प्रचार कार्यक्रम को लेकर कहा, 'क्या जरूरत है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुंबई में आने की? क्या यहां कि भारतीय जनता पार्टी, यहां के मुख्यमंत्री प्रचार के लिए सक्षम नहीं हैं। योगी आदित्यनाथ क्यों आ रहे हैं। क्या संबंध है। और भी राज्यों के मुख्यमंत्री आ रहे हैं। यहां आप माहौल खराब करना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'आज किसी ने कहा कि मुंबई में सिर्फ जय श्री राम का नारा चलेगा। हम मानते हैं कि मुंबई में जय महाराष्ट्र का नारा चलेगा। जय भवानी, जय शिवाजी यह नारा है।' उन्होंने कहा, 'ये योगी आदित्यनाथ वगैरह लोगों को लाकर आप अपनी कमजोरी बता रहे हो। आपके पास ताकत नहीं है। आप हर प्रांत के मुख्यमंत्री को लाकर या मंत्रियों को लाकर चुनाव लड़ना चाहते हो।

भारत माता के चरणों में झुकना तमिल-विरोधी नहीं: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

वाराणसी , एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई भारत माता के चरणों में झुककर प्रणाम करता है, तो इससे वह 'तमिल विरोधी' नहीं बन जाता। वह रामेश्वरम काशी तमिल संगमम 4.0 के समापन समारोह में बोल रहे थे, जिसमें उन्होंने काशी और तमिलनाडु के बीच अटूट सांस्कृतिक बंधन पर जोर देते हुए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के तहत राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया राधाकृष्णन ने कहा कि हम प्रतिदिन इस पवित्र भारत माता के चरणों में झुककर प्रणाम करते हैं और कहते हैं, 'यह राष्ट्र समृद्ध बने।' क्या इससे हम तमिल विरोधी बन जाते हैं? नहीं। यदि राष्ट्र एक आंख है और दूसरी आंख हमारी मातृभाषा तमिल है, तो इन्हें कौन अलग कर सकता है?' उन्होंने कहा कि पांडिया नाडु के तमिल योद्धा मुगलों द्वारा किए गए विनाश के खिलाफ काशी मंदिर के जीर्णोद्धार में सहायता कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने यह बताने के लिए हाल का एक उदाहरण भी साझा किया कि प्रधानमंत्री तमिलों के साथ किस तरह खड़े हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के सहयोग से नट्टुकोट्टई चेट्टियारों ने काशी स्थित अपने विश्रामगृह की 300 करोड़ रुपये की अतिक्रमित भूमि को मात्र 48 घंटे में वापस हासिल कर लिया। राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे नट्टुकोट्टई चेट्टियार

समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने सारी जानकारी ली। जब उन्होंने सभी दस्तावेज दिखाए, तो अधिकारियों ने पूरी तरह से मान लिया कि यह जमीन उन्हीं की है। महज 48 घंटों में जमीन वापस ले ली गई... आज यह एक भव्य बहुमंजिला विश्राम गृह के रूप में खड़ी है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा दो से 15 दिसंबर तक वाराणसी में आयोजित काशी तमिल संगमम (केटीएस 4.0) के चौथे संस्करण का प्रतीकात्मक समापन रामेश्वरम में हुआ, जिसका मुख्य विषय 'तमिल करकलम' (आइये तमिल सीखें) था। इसका उद्देश्य उत्तर और दक्षिण भारत के बीच भाषाई आदान-प्रदान और साझा विरासत को बढ़ावा देना था।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने अपना पूरा भाषण तमिल में देते हुए कहा कि इस वर्ष भारत भर में हजारों छात्र तमिल सीख रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि काशी और उत्तर प्रदेश से 300 हिंदी भाषी छात्र यहां तमिल सीखने आए हैं। वे जानते हैं कि तमिल एक प्राचीन भाषा है, एक शक्तिशाली भाषा है,।

क्या बोले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान?

इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि तमिल सभ्यता भारत की व्यापक सभ्यतागत नींव का अभिन्न अंग है, और यह क्षेत्रीय सीमाओं से परे है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तमिल सभ्यता क्षेत्रीय नहीं है।काशी तमिल संगम 4.0 का यही मूलमंत्र है, क्योंकि यह भारत की सभ्यतागत शिक्षा को और गहरा करता है।

इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है

केरल लॉटरी टिकट की आर्टवर्क को लेकर विवाद, पुलिस तक पहुंचा मामला

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल राज्य लॉटरी की सुवर्ण केरलम -34 सीरीज के टिकट पर है। भाजपा और हिंदू ऐक्य वेदी जैसे संगठनों ने दावा किया है कि टिकट पर छपी इमेज हिंदू धार्मिक

छपी कलाकृति को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यह लॉटरी 2 जनवरी 2026 को ड्रॉ होने वाली भावनाओं का अपमान है। उन्होंने इसे राज्य की एलडीएफ सरकार की जानबूझकर की गई हरकत बताया और पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। दूसरी ओर केरल राज्य लॉटरी विभाग ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।

महासचिव एस सुरेश ने फेसबुक पोस्ट में इस मुद्दे को उठाते हुए आरोप लगाया कि कलाकृति ने हिंदू भावनाओं का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि धर्म कोई भी हो, आस्था का अपमान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने वामपंथी सरकार पर हिंदू प्रतीकों का मजाक उड़ाने और विरोध प्रदर्शनों का आह्वान करने का आरोप लगाया।

दूसरी ओर बीजेपी के आरोपों का केरल राज्य लॉटरी विभाग ने एक फेसबुक पोस्ट के माध्यम से स्पष्टीकरण जारी किया,

नए साल पर योगी सरकार में होंगे फेरबदल, कैबिनेट से संगठन तक तैयारी

लखनऊ, एजेंसी। नए साल पर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कुछ फेरबदल देखने को मिल सकते हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री के आवास पर ही एक मीटिंग हुई, जिसमें कई सीनियर नेता मौजूद रहे। इसके अलावा नए बने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मीटिंग में शामिल थे। इस बैठक में संगठन से लेकर सरकार तक में कुछ बदलाव किए जाने पर चर्चा होने की खबरें हैं। कहा जा रहा है कि पहले कैबिनेट का विस्तार होगा और फिर संगठन में भी बड़े पैमाने पर फेरबदल होंगे। पंकज चौधरी नए प्रदेश अध्यक्ष बने हैं और वह अपने स्तर पर संगठन में कुछ बदलाव करेंगे और नई टीम तैयार करेंगे। कुछ नेताओं का समायोजन संगठन में हो सकता है तो वहीं कुछ लोगों को सरकार में हिस्सेदारी मिल सकती है। इन दोनों ही फेरबदल में जातीय और

क्षेत्रीय समीकरणों का भी पार्टी ख्याल रखना चाहेगी क्योंकि फिलहाल सीएम और प्रदेश अध्यक्ष दोनों ही पूर्वांचल से हो गए हैं। ऐसी स्थिति में वेस्ट यूपी, अवध और बुंदेलखंड क्षेत्र को अच्छा प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इस मीटिंग में संगठन महामंत्री धर्मपाल भी मौजूद थे। योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार को लेकर आखिरी फैसला दिल्ली में होना है और जनवरी के पहले सप्ताह में ही इस संबंध में ऐलान हो सकता है। हालांकि शपथ समारोह मकर संक्रांति के बाद ही होगा। फिलहाल इस बात पर चर्चा हुई कि किन नामों को दिल्ली भेजा जाए।

इस मीटिंग में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। संघ से भी इस संबंध में राय ली गई है।

गाजियाबाद के 100 पार्कों की नए साल में बदलेगी तस्वीर

हरा-भरा बनाने के लिए करीब 1.94 करोड़ रुपये खर्च होंगे

गाजियाबाद, एजेंसी। नगर निगम इंदिरापुरम के सौ पार्क नए सिरे से विकसित कराएगा। पार्कों के अलावा 25 सेंट्रल वर्ज और दो हरित पट्टी पर भी काम होगा। इस तरह इंदिरापुरम को हरा-भरा बनाने के लिए करीब 1.94 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इंदिरापुरम गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय योजना थी। यह अब नगर निगम के हस्तांतरण हो चुकी है। हस्तांतरण से पहले इंदिरापुरम के ज्यादातर पार्क बदहाल थे। हरित पट्टी और सेंट्रल वर्ज का भी बुरा हाल था।

तीन महीने के लिए रखरखाव होगा

हरियाली ज्यादा नहीं थी। रखरखाव न होने से कई स्थानों पर हरियाली खत्म होने लगी थी।

नगर निगम ने दिल्ली से सटा होने के कारण इंदिरापुरम में हरियाली बढ़ाने पर जोर देना शुरू कर दिया है। इंदिरापुरम के 100 पार्कों को संवारा जा रहा है। सभी पार्कों को नए सिरे से विकसित किया जाएगा। 25 सेंट्रल वर्ज की मरम्मत कराई जाएगी। इसमें घास और पौधे लगाए जाएंगे। दो हरित पट्टी का भी सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। नगर निगम के उद्यान विभाग प्रभारी डॉ. अनुज सिंह ने बताया कि

न्यायखंड-1, 2, 3 और अभयखंड के कुल 21 पार्कों के रखरखाव पर लगभग 9.41 लाख रुपये खर्च होंगे। अभयखंड के छोटे पार्कों के लिए अलग से बजट तय किया है। ज्ञानखंड-4 के अन्य 10 पार्कों के लिए 8.45 लाख रुपये खर्च होंगे। ज्ञानखंड-1, 3 और 4 के 14 पार्कों पर करीब 8.67 लाख रुपये खर्च होंगे। नीतिखंड, शक्तिखंड और अहिंसा खंड के 10 से अधिक पार्कों के लिए लगभग 9.83 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है।

उद्यान प्रभारी ने बताया कि स्वर्णजयंती पार्क के तीन महीने के लिए रखरखाव कराया जाएगा। इसके लिए 9.73 लाख रुपये खर्च होंगे। स्वर्णजयंती पार्क को किराये पर देने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्रीन वैली-1 और 2 के पूरे साल के रखरखाव के लिए 18.82 लाख रुपये खर्च होंगे। स्वर्ण जयंती पार्क के सामने, कनावनी पुलिया से एनएच-9 तक जयपुरिया सनराइज के सामने वाली सेंट्रल वर्ज पर पौधे लगाए जाएंगे।

नलकूप की होगी ऑनलाइन निगरानी

नगर निगम इंदिरापुरम और कविनगर के नलकूप की ऑनलाइन निगरानी करेगा। इसके लिए जलकल विभाग स्काडा सेंटर बनाएगा। जलकल विभाग ने पिछले दिनों डीपीआर आईआईटी रुड़की को भेजी थी, जिसे पास कर दिया गया। जलकल विभाग के महाप्रबंधक केपी आनंद ने बताया कि डीपीआर को मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा। काम शुरू हो जाएगा। डॉ. अनुज सिंह, उद्यान प्रभारी, नगर निगम ने बताया कि इंदिरापुरम के 100 पार्क, 25 सेंट्रल वर्ज और दो हरित पट्टी को नए सिरे से विकसित कराया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे के पास बसेगा नया हाथरस

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नया हाथरस अर्बन सेंटर यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक बसाने की

तैयारी है। शहर का मास्टर प्लान 2041 के लिए टेक्निकल बिड में तीन कंपनियों ने क्वालिफाई किया है। अब वित्तीय बिड में क्वालिफाई करने वाली कंपनी शहर का मास्टर प्लान तैयार करेगी।

प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि फेज-2 के तहत नए हाथरस का मास्टर प्लान तैयार करने के लिए तीन कंपनियों ने आवेदन किया था, इनमें आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट लिमिटेड, गरुणा यूएसबी सॉफ्ट सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड और एलईए एसोसिएट साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड ने सीईओ आरके सिंह की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया था, जिसमें तीनों ने क्वालिफाई कर लिया है। अब जल्द ही वित्तीय बिड निकाली जाएगी। इसके बाद किसी एक कंपनी का चयन कर पहले सिर्फ 4000 हेक्टेयर का मास्टर प्लान तैयार कराया जाएगा जो सिर्फ एक्सप्रेसवे के नजदीक का होगा। प्राधिकरण का मानना है कि शहर की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पहले यमुना एक्सप्रेसवे के पास में ही औद्योगिक गतिविधियां कराई जाएगी, इसके बाद आगे की रणनीति तैयार होगी।

संक्षिप्त समाचार

अवैध मदिरा संग्रहण करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही कर प्रकरण पंजीबद्ध किये

धार (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार तथा उपायुक्त आबकारी संभाग इंदौर श्री संजय तिवारी व सहायक आबकारी आयुक्त धार श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा संग्रहण करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को सहायक जिला आबकारी अधिकारी नागेन्द्र सिंह जादौन के नेतृत्व में गंधवानी के ग्राम लोंगसरी में अवैध मदिरा के संग्रहण करने पर कार्यवाही करते हुए 21 पेटियों देशी प्लेन मदिरा, 08 पेटी बोल्ट बियर मदिरा, 03 पेटी गोआ विस्की, 02 पेटी लंदन प्राइड विस्की कुल, 02 पेटी ओल्ड मोंक कुल 36 पेटी अवैध मदिरा जप्त की गई। जिसकी कुल मात्रा लगभग 348.0 बल्क लीटर है। इस पर म.प्र. आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किये गए। यह कार्यवाही नवीन विधान हेतु निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से वीडियो आदि बनाकर वृत्त गंधवानी प्रभारी 'राजकुमारी मंडलोई द्वारा की गई। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित क़ीमत लगभग रुपये एक लाख 62 हजार रूपये है। उक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नागेन्द्र सिंह जादौन, मोहन भायल, दिनेश उदैनिया, राजकुमारी मंडलोई, आबकारी उप निरीक्षक मुनेन्द्र सिंह जादौन, आरक्षक जोत सिंह मावी, मुदस्सर कुरैशी, आशीष माली, पवन ठाकुर, नीलम मकवाना तथा अमित खन्ना का विशेष योगदान रहा।

पीथमपुर में 200 टीबी मरीजों को पोषण आहार किट का किया वितरण

धार (निप्र)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र योजना में सीएचसी पीथमपुर पर 200 टीबी मरीजों को पोषण आहार किट का वितरण जिला क्षय अधिकारी धार डॉ. संजय जोशी, प्रभारी मेडिकल ऑफिसर सीएचसी पीथमपुर डॉ. केशव प्रसाद, डॉ अजय गिरवाल, ल्यूपिन सीएसआर सहायक पवन देवड़ा के द्वारा किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान में देश को टीबी मुक्त करने की दिशा में महाअभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के आह्वान पर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवी संस्थाओं, कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा निक्षय मित्र बनकर टीबी पेशेंट को पोषण आहार उपलब्ध करवाया जा रहा है। डॉ संजय जोशी द्वारा सभी टीबी मरीजों को अपना उपचार पूर्ण कर भविष्य में टीबी चौंपियन बनकर लोगों को क्षय रोग के प्रति जागरूक करने और समय पर उपचार लेने की सलाह देने के लिए शपथ दिलाई एवं पोषण आहार के महत्व को समझाया जिससे क्षय रोग से मुक्त होने में सहायता मिलती है। कार्यक्रम में सेक्टर सुपरवाइजर प्रेमसिंह सोलंकी, काउंसलर जितेंद्र मंडलोई, ब्रह्मानंद मिश्रा, राकेश सतनामी एवं समस्त सीएचसी स्टाफ का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर दिनेश डोड द्वारा किया गया।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन (निप्र)। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की। कलेक्टर द्वारा विगत जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई।उज्जैन निवासी महेश सांखला ने आवेदन देकर शिकायत की कि वे अपेक्स बैंक में दैनिक वेतन भोगी भृत्य के पद पर पदस्थ थे। शाखा प्रबंधक द्वारा पिछले माह बिना किसी पूर्व सूचना के उन्हें सेवा से पृथक कर दिया गया है। इस पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी को मामले की जांच करने के निर्देश दिए गए।झार्डा निवासी हीरालाल ने आवेदन दिया कि उन्होंने एक व्यक्ति से भूखंड क्रय किया था। लेकिन उस व्यक्ति ने वही भूखंड किसी दूसरे व्यक्ति को भी बेच दिया है और उसकी रजिस्ट्री और नामांतरण अपने नाम करवा लिया है। इस पर तहसीलदार झारड़ा को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।बड़नगर निवासी राजेश चौहान ने आवेदन दिया कि उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। वे सब्जी विक्रय कर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके दो बच्चे हैं। जो विद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। आवेदक बच्चों की फीस भरने में असमर्थ हैं। अत: बच्चों की फीस माफ की जाए। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।तराना तहसील के ग्राम छड़ावद निवासी नानुराम ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की भूमि पर गांव के एक दबंग व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इस पर एसडीएम तराना को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।इसी प्रकार सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा और अन्य अधिकारियों ने विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की।

नल जल योजना में गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर ठेकेदार के साथ विभागीय अधिकारियों पर भी कार्यवाही की जाएगी-कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह

बिना अनुमति भवन निर्माण करने वालों को नोटिस जारी करें

देवास (निप्र)। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, एसडीएम देवास श्री आनंद मालवीय, डिप्टी कलेक्टर श्री अभिषेक शर्मा, डिप्टी कलेक्टर सुश्री ऋतु चौरसिया सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

कलेक्टर श्री सिंह ने नल जल योजना की समीक्षा कर ईई पीएचई को निर्देश दिए कि जिले ने नल जल योजना के तहत ग्रामों में किए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखें। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिए कि नल जल योजना के तहत किए गए कार्यों की दी गई जानकारी और वस्तुस्थिति में अंतर होने एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर ठेकेदार के साथ विभागीय अधिकारियों पर भी कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि नगर परिषद और ग्राम पंचायत को पट्टा वितरित करने का अधिकार नहीं, यदि नगर परिषद और पंचायतों द्वारा ऐसा किया जाता है तो कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अपर कलेक्टर को निर्देश दिए कि इस संबंध में सभी नगर परिषदों और पंचायतों को आदेश भी जारी करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिला स्तर पर कॉलोनी सेल का गठन करें। कॉलोनी चलाने के नियमों का पालन कराया जाए। कॉलोनाइजर की बैठक लें। उन्होंने अपर

कलेक्टर को कॉलोनी सेल के गठन के लिए आदेश जारी करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने नगर परिषदों में भवन अनुज्ञा की जानकारी ली। जिसमें पाया गया कि नगर परिषदों में अनुमति लिए बिना भवनों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने पीओ डूडा को निर्देश दिए कि बिना अनुमति के बने सभी भवनों के मालिकों को नोटिस देकर भवन अनुज्ञा की राशि जमा कराई जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को भी निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में पटवारी की ड्यूटी लगाकर जांच कराए और बिना भवन अनुज्ञा के भवन निर्माण करने वाले सभी भवन मालिकों को नोटिस जारी करें। कलेक्टर श्री सिंह ने एमपीईबी को निर्देश दिए कि उज्जैन तिराहे पर लगे ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने की कार्यवाही करें। उन्होंने ने कहा कि एबी रोड पर जहां-जहां पर भी ऐसे ट्रांसफार्मर लगे है, उन्हें भी शिफ्ट करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य विभाग से जिले में रेफरल किए गए मरीजों की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि हर किसी को रेफरल नहीं करें। उन्होंने अनमोल पोर्टल पर एएनसी रजिस्ट्रेशन की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि जिनके द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है उनका वेतन रोकने की कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री सिंह ने टीबी मुक्त भारत अभियान, किलकारी अभियान की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने शिक्षा विभाग के अटेंडेंस पोर्टल की समीक्षा कर निर्देश दिए कि अभी भी शत-प्रतिशत शिक्षकों द्वारा ई-अटेंडेंस नहीं लगाई जा रही है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों का वेतन रोकने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का वेतन रोकना उद्देश्य नहीं। शिक्षा व्यवस्था को सुधारना है। कलेक्टर श्री सिंह ने हायर एजुकेशन के सार्थक पोर्टल की समीक्षा भी की। जिसमें पाया गया कि महाविद्यालयों में कई प्रोफेसरों द्वारा सार्थक पोर्टल पर अटेंडेंस नहीं लगाई जा रही है। उन्होंने जिला कोषालय अधिकारी को भी निर्देश दिए कि शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग का वेतन ई-अटेंडेंस के आधार पर आहरण करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही, फर्टिलाइजर की ब्लैक मार्केटिंग पर की गई कार्यवाही जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि जिले में अमानक कीटनाशक कैसे विक्रय हो जाती है। कृषि विभाग लगातार मॉनिटरिंग करें, जिले में अमानक कीटनाशक नहीं विक्रय होना चाहिए। अमानक कीटनाशक का विक्रय होने पर विभागीय अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने खातेगांव क्षेत्र में अमानक कीटनाशक का विक्रय होने पर खातेगांव एसएडीओ पर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने टीएल प्रकरणों की समीक्षा कर जिला अधिकारियों को टीएल प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम मॉनिट, सीएम हाउस, समाधान ऑनलाइन, न्यायालय में लम्बित प्रकरणों की समीक्षा कर समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्प लाइन पर लम्बित शिकायतों की समीक्षा कर सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिला अधिकारी सीएम हेल्पलाइन पर लम्बित शिकायतों को निराकरण प्राथमिकता से करें।सीएम हेल्पलाइन पर कोई भी शिकायत नॉन अटेंडेंट नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिए।

राग्यश्री बामनिया का चयन 69 वी राष्ट्रीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में चयन

धार (निप्र)। जिला खेल अधिकारी श्री राजेश शाक्य ने बताया कि हॉकी फीडर सेंटर पुलिस लाइन धार की प्रतिभाशाली खिलाड़ी कु. राग्यश्री बामनिया का चयन 69 राष्ट्रीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

राग्यश्री ने ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में इंदौर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए उक्त प्रतियोगिता में 4 गोल कर अपने खेल का शानदार प्रदर्शन दिखाया। कु. बामनिया ने अपने उत्कृष्ट हॉकी खेल के दम पर अपना स्थान मध्य प्रदेश दल में बनाया। राग्यश्री 26 दिसम्बर 25 से 31 दिसम्बर तक ग्वालियर ने प्री नेशनल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी उसके पश्चात 2 जनवरी 2026 से 7 जनवरी 2026 तक ग्वालियर में आयोजित 69 वी राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता ने भाग लेगी। राग्यश्री की इस उपलब्धि पर प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी, रक्षित निरक्षक श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई, जिला खेल अधिकारी श्री राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष श्री छोटू शास्त्री ने बधाई दी। राग्यश्री बामनिया पुलिस लाइन धार में स्थित हॉकी फीडर सेंटर के प्रशिक्षक श्री मनीष सोलंकी से नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के 4,767 रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित

एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल से 31 दिसंबर 2025 से होंगे आवेदन

दंगल स्टोरी ऋषभ यादव

रायसेन/मंडीदीप। महिला एवं बाल विकास द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों की बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई, मानदेय आधारित एवं मानसेवी रिक्त पदों की पूर्ति हेतु पात्र महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2025 (फेज-2) के अंतर्गत की जा रही है।

इच्छुक एवं पात्र आवेदिकाएँ एमपी ऑनलाइन द्वारा विकसित 'चयन पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 1,573 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 3,194 आंगनवाड़ी सहायिका पद, इस प्रकार कुल 4,767 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें दिसंबर 2025 तक के रिक्त पदों के साथ-साथ जनवरी 2026 से जून 2026 तक संभावित रिक्तियाँ भी सम्मिलित हैं।आवेदन की प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 10 जनवरी 2026 तक चलेगी। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे, ऑफलाइन आवेदनों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

निर्देशानुसार आवेदिका का उसी ग्राम अथवा नगरीय वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है, जहाँ रिक्त पद की पूर्ति की जानी है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी (12वीं उत्तीर्ण) निर्धारित की गई है। साथ ही 01 जनवरी 2025 की स्थिति में आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होना आवश्यक हैआवेदन के समय समस्त आवश्यक प्रमाण पत्र पीडीएफ प्रारूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा। आवेदन शुल्क ?100/- एवं 18 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित किया गया है।

आवेदिकाएँ स्वयं एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर या अधिकृत कियोस्क के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।रिक्त पदों का परियोजना एवं आंगनवाड़ी केंद्रवार विवरण, भर्ती से संबंधित नियम, शर्तें, पात्रता एवं अन्य आवश्यक जानकारी चयन पोर्टल (httpsÑ//chayan.mponline.gov.in) तथा विभागीय वेबसाइट mpwcd-mis.gov.in पर उपलब्ध है। एमपी ऑनलाइन से संबंधित किसी भी तकनीकी समस्या के निराकरण हेतु हेल्पलाइन नंबर 0755-6720208 जारी किया गया है।

एआई से तैयार फोटो अपलोड करने का राष्ट्रीय जल पुरस्कार से कोई संबंध नहीं है

खण्डवा (निप्र)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि 'जल संचय जन भागीदारी' केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक अभियान है। यह अभियान देश में जनभागीदारी से जल सरचनाओ के निर्माण को प्रोत्साहन देने के उददेश्य से विगत वर्ष प्रारंभ हुआ था, जो कि 31 मई 2025 को समाप्त हो चुका है। इस अभियान अंतर्गत जिला खंडवा द्वारा 31 मई 2025 तक कुल 129046 कार्यों की फोटो पोर्टल पर अपलोड की गई। इस अभियान अंतर्गत समुदाय, संस्था, पंचायत, नगर परिषद, नगर निगम आदि द्वारा कराये गये ऐसे जल संरक्षण के कार्य जैसे रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग, सोख्ता गडडा, रिचार्ज पीट, बोर वेल रिचार्ज, बंद बोर रिचार्ज, डगवेल रिचार्ज, ओपन वेल रिचार्ज, गली प्लग, नाला बंड, बोल्डर वाल, गेबियन, रिचार्ज साफ्ट, कंटूर ट्रेंच, परकोलेशन पौंड, चेकडेम मरम्मत, स्टापडेम मरम्मत जैसी जल संरचनाओ का निर्माण कर उनके फोटो अपलोड किए गए हैं। जल शक्ति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इन सभी फोटो का डेस्क सत्यापन किया गया, इसके अतिरिक्त रेण्डम जांच पर कुल कार्यों के 1 प्रतिशत का फील्ड चेक भी किया गया।

सीईओ जिला पंचायत डॉक्टर गौड़ा ने बताया

कि ग्राम पंचायत शाहपुरा माल, पलानीमाल, डोटखेडा एवं हरवंशपुरा अंतर्गत की गई शिकायत पूर्व में जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन के आधार पर प्रकाशित की गई है। इन कार्यों का जल संचय जन भागीदारी अभियानद्ध 1.0 से कोई संबंध नही है। उन्होंने बताया कि जनसुनवाई में दिनांक 28 नवंबर एवं 23 दिसंबर को प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच कराई गई और जांच उपरांत ग्राम रोजगार सहायक को पद से हटा दिया गया है।

कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा खंडवा जिले में किए जा रहे जल संचयन कार्यों संबंधी कार्यों के संबंध में प्रथमदृष्टया फेक न्यूज प्रसारित की जा रही है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉक्टर नागार्जुन गौड़ा ने स्पष्ट किया है कि जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे देश में सर्वाधिक 1.25 लाख से अधिक जल संरक्षण कार्यों के निर्माण हेतु खंडवा ज़िले को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के लिए एक अलग 'जेएसजेबी पोर्टल' उपलब्ध था। जिला प्रशासन द्वारा ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर सावधानीपूर्वक और गहन जांच के पश्चात सत्यापित फ़ोटो ही जेएसजेबी पोर्टल पर अपलोड की गई थीं।

इसके अतिरिक्त, कैच द रेन नामक एक अन्य पोर्टल है, जिस पर सामान्यतः जल संरक्षण से संबंधित आईईसी फ़ोटो केवल शैक्षणिक एवं प्रेरणात्मक उद्देश्य से अपलोड की जाती हैं। जिला प्रशासन के संज्ञान में यह बात आई है कि 'कैच द रेन' पोर्टल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से तैयार कर 21 फ़ोटो अपलोड की गई थीं, संभवतः दुर्भावनापूर्ण इरादों से। इन लगभग ए आई जनित फ़ोटो को अपलोड करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। परंतु यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाता है कि कैच द रेन पोर्टल, 'जल संचय जन भागीदारी' पोर्टल से पूर्णतः भिन्न है, और कैच द रेन पोर्टल पर अपलोड की गई शैक्षणिक फ़ोटो को चल संचय जन भागीदारी पुरस्कार के लिए विचार में नहीं लिया जाता है।

प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं सफलता की नई गाथा लिख रही

देवास (निप्र)। प्रदेश सरकार की मंशा है कि प्रदेश के नागरिक आत्मनिर्भर बने और सफलता की नई गाथा लिखें। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक तौर पर सुदृढ़ और सशक्त बनाने के लिए कई

योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ पाकर महिलाएं कई उद्यमी बन रही और अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनकर सफलता के नए आयाम को हासिल कर रही है।

इन्हीं महिलाएं में देवास की श्रीमती सुनीता लोकेंद्र राणावत हैं, जिन्हें प्रदेश सरकार द्वारा संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना का लाभ मिला है।योजना से उन्होंने अपना स्वयं का ब्यूटी पॉर्लर शुरू किया। आज वे इसके माध्यम से 15 से 20 हजार रुपए की कमाई कर रही है। इसके लिए वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रही है।

हितग्राही श्री राणावत ने बताया कि उन्हें मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित संत रविदास स्वारोजगार योजना की जानकारी प्राप्त हुई। इस योजना के बारे में विभाग से विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा एमपी ऑनलाइन के माध्यम से ब्यूटी पॉर्लर के लिए आवेदन किया गया। उनका आवेदन स्वीकृत होने के पश्चात विभाग द्वारा आवेदन संबंधित बैंक शाखा को प्रेषित किया। पंजाब नेशनल बैंक बजरंगपुरा देवास द्वारा 4 लाख रुपए के ऋण की स्वीकृति प्रदान कर राशि प्रदान की गई। शासन की योजना अनुसार उन्हें सब्सिडी भी प्राप्त हुई। उनका ब्यूटी पॉर्लर का कार्य अच्छे से संचालित हो रही है। इस राशि से उन्हें प्रतिमाह 15 से 20 हजार की आय हो रही है।

भागवत कथा और सत्संग से समाज में सदाचार, नैतिकता और समरसता की भावना होती है मजबूतः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने जमीन पर बैठकर परम पूज्य संत श्री कमल किशोर नागर के भागवत कथा वचनों का श्रवण किया

उज्जैन (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भागवत कथा और सत्संग से समाज में सदाचार, नैतिकता और समरसता की भावना मजबूत होती है। कथा और सत्संग आध्यात्मिक अनुभूति और सामाजिक चेतना का सशक्त माध्यम भी है। कथा श्रवण और सत्संग से मन तृप्त होता है और जीवन संवरता है। भगवान की भक्ति, कथा श्रवण और सत्संग से वह तृप्ति मिलती है जो भौतिक सुख, वैभव और छप्पन भोग में भी नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर के ग्राम चित्तौड़ा में आयोजित प्रसिद्ध संत श्री कमल किशोर नागर महाराज की कथा के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक श्री रमेश मेंदोला, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, एसपी ग्रामीण श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री रणजीत सिंह आंजना सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भागवत कथा को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुवर श्री कमल किशोर नागर जी का नाम ही हमारे लिए सौभाग्य का प्रतीक है। वर्षों से आपके प्रवचनों के माध्यम से हम भगवान की भक्ति में स्वर्ग लोक का अनुभव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कथा एवं सत्संग के श्रवण से स्वर्ग लोक सहित सभी तीर्थों का आनंद प्राप्त हो जाता है। उन्होंने भक्ति और सत्संग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भौतिक सुख-साधन और 56 भोग भी मन को तृप्त नहीं कर सकते, लेकिन भगवान की भक्ति और सत्संग मन को पूर्ण तृप्ति प्रदान करते है और सफल जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौ माता की सेवा के लिए महाराज श्री कमल किशोर नागर जी द्वारा किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। महाराज जी ने समाज को यह चेतना दी है

कि केवल प्रवचन ही नहीं, बल्कि संस्कार और सेवा भी उतनी ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार बनने के बाद गौशालाओं के विकास के लिए लगातार विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और मध्यप्रदेश को गौ-सेवा का मॉडल राज्य बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। घर-घर गोपाल की भावना को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि जहां गाय है, वहीं गोपाल का वास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सनातन संस्कृति की परंपराओं, कुंभ और सिंहस्थ स्नान के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जल केवल शारीरिक शुद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन की उत्पत्ति और परंपरा का आधार है। क्षिप्रा नदी के शुद्धिकरण और जल संरक्षण के प्रयासों से आगामी सिंहस्थ को ऐतिहासिक और भव्य बनाने का संकल्प भी उन्होंने दोहराया। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में धर्म, संस्कृति और विकास तीनों को साथ लेकर आगे बढ़ने का संकल्प साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर गाँव और शहर में गीता भवन बनाये जा रहे हैं। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि शिप्रा नदी के शुद्धिकरण के संकल्प को पूर्ण करने का कार्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तेजी से किया जा रहा है। शिप्रा के 29-30 किलोमीटर लंबे घाटों का निर्माण, बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान 24 घंटे में करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान की व्यवस्थाएँ–ये सब ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कार्य हैं।

उन्होंने कहा कि नर्मदा और शिप्रा का निरंतर प्रवाह बना रहे, ताकि आचमन और यज्ञ-स्नान जैसे पवित्र कर्म निर्बाध हो इसके लिए तेजी से कार्य हो रहे हैं। प्रसिद्ध संत श्री कमल किशोर नागर जी महाराज ने कहा कि नीति और धर्म से सुसज्जित शासन ही सच्चे विकास की नींव है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जब शासन नीति और धर्म के साथ चलता है, तभी प्रजा की वास्तविक भलाई होती है और विकास एवं प्रगति को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि नीति के बिना राज अधूरा है और धर्म के बिना धन भी अधूरा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सराहना करते हुए कहा कि आज मुख्यमंत्रीजी ने आम नागरिकों की तरह जमीन पर बैठकर सरलता और सादगी के साथ कथा का श्रवण किया। यह आचरण उनकी भक्ति भावना, विनम्रता और सहज व्यक्तित्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब किसी प्रदेश में धार्मिक आयोजन होते हैं और उनके साथ नीति एवं धर्म दोनों एक साथ खड़े होते हैं, तब वह प्रदेश स्वतः ही सुशोभित और समृद्ध बनता है। व्यस्ततम कार्यक्रमों के बावजूद मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा ऐसे आयोजनों को समय देना उनकी संवेदनशीलता और आध्यात्मिक रुचि का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव केवल राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रदेश के तीर्थों, मंदिरों और सांस्कृतिक धरोहरों के भी गहरे जानकार हैं, उनके पास गहरा और समृद्ध अनुभव है।

संपादकीय

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा का सवाल

कनाडा में दो सप्ताह के भीतर दो भारतीयों की हत्या ने सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। पिछले हफ्ते टोरंटो में एक भारतीय महिला की उसके आवास पर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास बीस वर्षीय एक भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई।इन वारदात के पीछे क्या कारण थे और इसे किसने अंजाम दिया, इसकी जांच पुलिस कर रही है, लेकिन सवाल है कि आखिर कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर हमले क्यों हो रहे हैं? क्या यह नस्लीय नफरत से उपजी कुंठा और आक्रामकता का नतीजा है या फिर किसी सोची-समझी साजिश की कड़ियां, जो लक्षित तरीके से हमलों का जाल बुना जा रहा है!यही नहीं, कनाडा के एक अस्पताल में हाल में इलाज का इंतजार कर रहे भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस व्यक्ति को आठ घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद भी उपचार नहीं मिला और हृदयघात से उसकी जान चली गई। यह घटना न केवल चिकित्सकों की लापरवाही दर्शाती है, बल्कि भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव की ओर भी इशारा करती है।गौरतलब है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। हर साल बड़े पैमाने पर भारतीय युवा वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। नीति आयोग की हाल की एक रपट के मुताबिक, उच्च शिक्षा हासिल करने के मामले में भारतीय विद्यार्थी के लिए कनाडा पहली पसंद है। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी का स्थान आता है।पिछले वर्ष कनाडा में सवा चार लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययनरत थे। इसके अलावा कनाडा की नागरिकता लेकर वहां बसे भारतीयों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए कनाडा जाते हैं, या जो वहां के स्थायी नागरिक बन गए हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार और सुरक्षा एजंसियों की नहीं, तो और किसकी है?हाल के वर्षों में कनाडा में भारतीयों पर हमले की खबरें आए दिन आती रहती हैं।

अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे। समय का पहिया चलता रहता है। समय के चाक पर हर आगत पल वर्तमान बनता है और फिर अतीत के गोद में समा जाता है। जाते-जाते वह अपनी छाप ही नहीं छोड़ता, कुछ सीख भी दे जाता है। अतीत से प्राप्त अनुभव और सीख की कसौटी पर वह वर्तमान को कसता है और चाहता है कि आने वाला पल अतीत की तुलना में बेहतर गुजरे। मनुष्य की चाहत ऐसी ही होती है। वक्त के पहिये पर सब मनमुताबिक ही घटे-चले तो फिर जीवन चक्र का रोमांच ही खत्म हो जाए। मानव की फितरत है, वह आगत को अपने हिसाब से ही घटित होते देखना और भोगना चाहता है। लेकिन क्या ऐसा हो पाता है? अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे।

अतीत से सबक, आगत से उम्मीद

इस नए साल में भी राजनीति चुनावी रणनीति बनाने और उन चुनावों से अपने मनमुताबिक नतीजे हासिल करने की कोशिश में जुटी रहेगी। इस नए यानी साल 2026 में देश के प्रमुख पांच राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुद्दुचेरी में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इन चुनावों की आहट में राजनीति की दुनिया की पेशानियों पर बल पड़ने लगे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। इसकी वजह है कि इन राज्यों के चुनाव नतीजे तय करेंगे कि आने वाले दिनों में राजनीति की दिशा क्या होगी? इनके नतीजे ही तय करेंगे कि आने वाले दिनों में कमल खिलता रहेगा या हाथ को भारत का साथ मिलेगा। इन नतीजों पर ही निर्भर करेगा कि भारत का भावी नेतृत्व कैसा होगा।

(उमेश चतुर्वेदी)

यूं तो हर राज्य के विधानसभा चुनाव अपने आप में अहम् होते हैं, लेकिन साल 2026 में होने वाले चुनाव बेहद खास होने जा रहे हैं। असम में विगत दो बार से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां की 126 सीटों में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 75 सीटें जीती थीं। जिनमें भारतीय जनता पार्टी के खाते में 60 सीटें गई थीं, वहीं उसकी सहयोगी असम गणपरिषद को नौ और अन्य सहयोगी दलों को छह सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन को 50 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस ने यहां की जिम्मेदारी अपने तेजतर्रार नेता गौरव गोगोई को दी है। जबकि बीजेपी की अगुआई मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा के हाथ है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद राज्य की मतदाता सूची से 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। कांग्रेस की पूरी कोशिश बीजेपी के हाथ से सत्ता छीनने की है तो बीजेपी की कोशिश उत्तर पूर्व के इस सबसे बड़े राज्य में अपने झंडे को गाड़े रखना है। अगर बीजेपी बनी रही तो उत्तर पूर्व के बहाने उसका राष्ट्रवादी सोच का कारवां बढ़ता रहेगा, लेकिन अगर कांग्रेस सेंध लगाने में सफल रही तो उससे इलाके में कांग्रेसी आधार को जुटाने को बल मिलेगा।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी असम की तरह बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा गर्म है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीटों पर जीत हासिल करके ममता बनर्जी ने सनसनी फैला दी थी, जबकि सत्ता की दावेदार मानी जा रही बीजेपी को महज 77 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इस बार एसआईआर के चलते राज्य के 7.66 करोड़ मतदाताओं में से 56 लाख के नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग को करीब 20 लाख मतदाता अब भी संदिग्ध लग रहे हैं। आयोग के लिहाज से ये मतदाता पहली बार पंजीकृत हुए हैं और इनकी उम्र पैंतालिस साल और उससे ज्यादा है। सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाता अगर राज्य के हैं तो वे अब तक कहां थे और उन्होंने वोटर लिस्ट में नाम क्यों नहीं डलवाया था और अगर राज्य से बाहर थे तो अचानक ही वे यहां क्यों लौट आए। जाहिर है कि इन नए वोटरों और हटाए गए नाम वाले वोटरों की संख्या को लेकर संदेह की स्थिति है। इसे लेकर ममता की तृणमूल कांग्रेस पार्टी जहां आक्रामक है, वहीं बीजेपी नए जुड़े करीब 20 लाख संदिग्ध वोटरों को लेकर जवाबी तौर पर हमलावर है। बहरहाल यह तय है कि इन मुद्दों पर ही राज्य के भावी विधानसभा नतीजे तय होंगे। ऐसे में अगर ममता अपना किला बचाए रखती हैं तो तय है कि बीजेपी के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी के गृहराज्य में भगवा झंडा फहराने का उसका सपना अधूरा रहेगा। फिर ममता के पास तर्क होगा कि आने वाले दिनों में वे ही बीजेपी को केंद्रीय स्तर पर चुनौती दे सकती हैं। अगर नतीजे इसके उलट रहे तो बीजेपी कह सकती है कि आने वाले दिनों में उसके सामने कोई चुनौती नहीं रहने वाली।

एक दौर में पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल की ख्याति वामपंथ के गढ़ के रूप में रही है। लेकिन विगत दो चुनावों से यहां वामपंथी किला बचा हुआ है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि केंद्रीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ खड़ा केरल का वामपंथ कांग्रेस के साथ है। लेकिन राज्य में उसकी लड़ाई कांग्रेस के ही साथ है। वैसे इसी दिसंबर में हुए नगर निकाय चुनावों में बीजेपी ने राज्य की राजधानी तिरूअनंतपुरम् पर कब्जा कर लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वाधिक सक्रियता वाले राज्यों में शुमार होने के बावजूद केरल अब भी बीजेपी के लिए प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। इस बार भी माना जा रहा है कि लड़ाई वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे के ही बीच रहेगी। बीजेपी की कोशिश इस चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाने की ही रहेगी। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती है तो सही मायने में अखिल भारतीय पार्टी बनने का वह दावा कर सकती है। अगर वामपंथ यहां से इस बार सत्ता से दूर होता है तो उसकी वापसी की संभावना क्षीण होगी। उसके लिए खतरा यह होगा कि विपक्षी भूमिका में बीजेपी खुद को उभारने की कोशिश करेगी और वह वामपंथ को धीरे-धीरे उसी तरह गायब कर देगी, जैसे उसने त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में कर दिया है। अगर कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे को जीत मिलती है तो उससे पार्टी का मनोबल बढ़ सकता है। तब बीजेपी विरोधी उसकी केंद्रीय भूमिका को नयी ताकत मिल सकती है। केरल की ही तरह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी बीजेपी तीसरा कोना बनने की कोशिश में लगातार जुटी हुई है। राज्य की 234 सीटों वाली विधानसभा में पिछली बार द्रविड़ मुनेत्र कषगम् यानी डीएमके वाले मोर्चे को 133 सीटों पर जीत मिली थी। इस बार बीजेपी विपक्षी अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में उतर कर डीएमके के मोर्चे को पटखनी देने की कोशिश में है। बीजेपी ने राज्य में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की प्रक्रिया के तहत यहीं के सी पी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचा चुकी है। अगर बीजेपी राज्य में अन्नाद्रमुक के साथ अहम उपस्थिति बनाने में सफल रहती है तो वह राष्ट्रीय स्तर पर कह सकती है कि आने वाले दिनों में राज्य में भी वह मजबूत संख्याबल हासिल कर सकती है। केरल और तमिलनाडु में गंभीर उपस्थिति दक्षिण के प्रश्न प्रदेश को हल करने का मजबूत जरिया बनेगी। लेकिन अगर डीएमके मोर्चा जीतता है तो तय है कि हिंदुत्व विरोधी आक्रामक बयानबाजी का केंद्र दक्षिण बना रहेगा। इसका असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा।

मोटे तौर पर कह सकते हैं कि अगर असम में बीजेपी अपनी उपस्थिति बनाए रखती है, बंगाल के किले पर फतह कर लेती है और तमिलनाडु और केरल में अहम उपस्थिति बना लेती है तो माना जाएगा कि उसका राजनीतिक अश्वमेध का घोड़ा दौड़ता रहेगा, लेकिन अगर वह ऐसे नतीजे लाने में नाकाम रही तो उसकी भावी राजनीति भी प्रभावित होगी। इससे कांग्रेसी खेमा नए उत्साह में होगा। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

उच्च शिक्षा के प्रशासन में बड़े बदलाव वाला विधेयक

(डी पी सिंह)

देश की उच्च शिक्षा का प्रशासन अब तक शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित होता रहा है। इसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एसीटीई) ने दशकों तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ इनकी ढांचागत सीमाएं भी स्पष्ट हुईं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल लोकसभा में पेश किया है। यह बिल उच्च शिक्षा की प्रशासनिक संस्थाओं- यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई का समेकन और पुनर्संरचना करेगा। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा के नियमन, गुणवत्ता और मानकों को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जवाबदेह बनाना है, ताकि भारत की शिक्षा प्रणाली 21वीं सदी की जरूरतों और विकसित भारत ञ2047 के लक्ष्यों के अनुरूप बन सके।

पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिले हैं। शिक्षण पद्धतियों में ऑनलाइन क्रांति, डिजिटल प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का समावेश और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य जैसी वैश्विक पहलें शिक्षा के उद्देश्य, स्वरूप और अपेक्षाओं को पूरी तरह बदल रही हैं। फिर भी, उच्च शिक्षा प्रशासन में अब तक कोई बड़ा ढांचागत बदलाव नहीं हुआ था। इसी क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी-2020) ने उच्च शिक्षा के नियमन और विकास के लिए उच्च शिक्षा आयोग भारत (एचईसीआई) के गठन का प्रस्ताव रखा। इस पहल को ही अब 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान बिल, 2025' के रूप में संसद में प्रस्तावित किया गया है। यह अधिष्ठान भारत में उच्च शिक्षा के लिए साझा और समेकित नियामक संस्था के रूप में कार्य करेगा। इसके अंतर्गत तीन प्रमुख परिषदों का गठन प्रस्तावित है-विकसित भारत शिक्षा विनियमन परिषद, विकसित भारत शिक्षा गुणवत्ता परिषद और विकसित भारत शिक्षा मानक परिषद। ये परिषदें मिलकर नियमन, गुणवत्ता आश्वासन और मानक निर्धारण जैसे प्रमुख कार्यों को स्पष्ट, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संचालित करेंगी। 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान' की समिति में चेयरपर्सन सहित कुल 12 सदस्य होंगे, जबकि नियामक परिषद, गुणवत्ता परिषद और मानक परिषद की समितियों में प्रेसिडेंट सहित कुल 14 सदस्य शामिल होंगे। इन समितियों में उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रोफेसर, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नामित सदस्य, आर्किटेक्चर कौंसिल के प्रतिनिधि, वरिष्ठ शिक्षाविद और शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल किए जाएंगे। इससे सभी पक्षों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी और उच्च शिक्षा प्रणाली में विविध अनुभव व विशेषज्ञता का समावेश होगा।

नियामक परिषद देश के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा नियमों और मानकों के पालन को सुनिश्चित करेगी। यह उच्च शिक्षा के व्यावसायीकरण पर रोक लगाएगी, भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के संचालन के मानक तय करेगी, बेहतर प्रदर्शन करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों को विदेशों में परिसर खोलने की अनुमति देगी और अंतर-विश्वविद्यालय केंद्रों के संचालन से जुड़े फैसले लेगी। गुणवत्ता परिषद शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों से परामर्श कर परिणाम-आधारित मान्यता प्रणाली विकसित करेगी। मानक परिषद उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और मानक तय करने का काम करेगी।

एनईपी-2020 के विजन विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान और इसकी तीन परिषदों के माध्यम से लागू किए जाएंगे। सभी परिषदों के बीच समन्वय और प्रभावी संचार सुनिश्चित करने के लिए उनकी समितियों में अन्य परिषदों के सदस्यों का प्रतिनिधित्व भी रखा गया है। विकसित भारत ञ2047 के लक्ष्यों को केंद्र में रखते हुए यह पहल भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप, पारदर्शी, जवाबदेह और भविष्य-उन्मुख बनाने की क्षमता रखती है। इससे न केवल छात्रों और शिक्षकों को लाभ होगा, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेगी। (लेखक पूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

2025 में जब जब दुनिया डगमगाई, मोदी ने आगे बढ़कर संभाल लिया

एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया। साल 2025 भारतीय राजनीति और वैश्विक कूटनीति के लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की विजयगाथा के रूप में दर्ज हो गया। यह वर्ष केवल मोदी की चुनावी सफलताओं का नहीं रहा, बल्कि भारत की रणनीतिक सोच, आर्थिक मजबूती, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के विस्तार का भी साक्षी बना।

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी ने एक बार फिर यह साबित किया कि उनका नेतृत्व केवल सत्ता संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र को दिशा देने, संकट में निर्णय लेने और दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराने का सामर्थ्य रखता है।2025 में विभिन्न राज्यों और स्थानीय निकायों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सफलता के पीछे नरेंद्र मोदी की चुनावी रणनीति और नेतृत्व की स्पष्ट छाप दिखाई दी। मोदी ने जहां एक ओर सुशासन, विकास और राष्ट्रवाद को केंद्रीय मुद्दा बनाए रखा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, लाभार्थी वर्ग से सीधा संवाद स्थापित करने और विपक्ष की कमजोरियों को उजागर करने की उनकी रणनीति ने भाजपा को बढ़त दिलाई।

एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया।

इसके अलावा, साल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी का रुख पूरी तरह स्पष्ट और सख्त रहा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों और उनके ठिकानों पर कार्रवाई कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल आतंकी घटना की निंदा तक सीमित नहीं रहेगा। यह कार्रवाई न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी दुनिया को यह समझाने में सफल रही कि भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अडिग है। मोदी के इस साहसिक निर्णय ने देशवासियों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की छवि एक निर्णायक शक्ति के रूप में और सुदृढ़ हुई।

वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी-भरकम टैरिफ और दबावों के बावजूद मोदी ने भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया। रूस के साथ ऐतिहासिक मित्रता को कायम रखते हुए भारत ने ऊर्जा, रक्षा और कूटनीति के क्षेत्रों में संतुलित नीति अपनाई। मोदी का स्पष्ट संदेश रहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों पर

किसी भी बाहरी दबाव को हावी नहीं होने देगा। रूस के साथ संबंधों को मजबूत रखना और साथ ही अमेरिका तथा यूरोप के साथ भी संतुलन बनाए रखना मोदी की बहुपक्षीय कूटनीति का उदाहरण है।

इसके अलावा, 2025 में भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। वैश्विक मंदी और महंगाई के दौर में भी भारत ने स्थिरता और विकास दोनों को साधा। मोदी सरकार की नीतियों के चलते महंगाई नियंत्रण में रही, ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम बनी रहीं और निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की नीतियों ने रोजगार सृजन और विकास को गति दी।

'जीएसटी उत्सव' के माध्यम से मोदी सरकार ने कर सुधारों की सफलता को जन-जन तक पहुंचाया। जीएसटी ने न केवल कर प्रणाली को सरल बनाया, बल्कि राज्यों की आय बढ़ाने और व्यापार सुगमता में भी अहम भूमिका निभाई। 2025 में जीएसटी संग्रह के नए रिकॉर्ड बने, जिसने सरकार को विकास योजनाओं के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराए और अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2025 में वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को और बुलंद किया। ग्लोबल साउथ के मुद्दों को विश्व पटल पर मजबूती से उठाते हुए उन्होंने विकासशील देशों की समस्याओं, जलवायु न्याय और समावेशी विकास की वकालत की। उनकी चीन यात्रा ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा और यह संकेत दिया कि भारत संवाद के साथ-साथ अपने हितों की रक्षा करना भी जानता है। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिल्ली आमंत्रित कर मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में स्वतंत्र और प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है।

इसके अलावा, 2025 में मोदी ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती दी। धार्मिक स्थलों के विकास के जरिये स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ ही सांस्कृतिक आयोजनों और योग व आयुष के प्रचार ने भारत की सॉफ्ट पावर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

इसके अलावा, विदेशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालना हो या प्राकृतिक आपदाओं में अन्य देशों की मदद करना हो, मोदी सरकार ने हर संकट में तत्परता दिखाई। इससे भारत की छवि एक जिम्मेदार और संवेदनशील वैश्विक शक्ति के रूप में उभरी।

बहरहाल, साल 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की बहुआयामी विजयगाथा का प्रतीक बनकर सामने आया। चुनावी सफलता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और वैश्विक नेतृत्व जैसे मोर्चों पर मोदी ने अपने निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व की छाप छोड़ी। यह वर्ष न केवल उनके राजनीतिक कद को और ऊंचा कर गया, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और सामर्थ्य की कहानी भी दुनिया के सामने रख गया।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लिवर सिरोसिस से बचने ठीक रखें खानपान

लिवर सिरोसिस धीमी गति से बढ़ने वाला रोग है। आम भाषा में कहें तो इस रोग में लिवर का आकार सिकुड़ने लगता है और उसमें कठोरता आने लगती है। इस रोग में लिवर की बहुत सारी कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं और उनकी जगह फाइबर तंतु ले लेते हैं। साथ ही लीवर की बनावट भी असामान्य हो जाती है, जिससे पोर्टल हाइपरटैंशन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस बीमारी का अंतिम इलाज लीवर प्रत्यारोपण यानि लिवर ट्रांसप्लांट है।

लिवर सिरोसिस का मुख्य कारण इसका गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाना है और ये होता है गलत खान-पान की आदतों और एल्कोहल के ज्यादा सेवन की वजह से। खान-पान में आमतौर पर वसायुक्त चीजों का ज्यादा सेवन से, ज्यादा नॉन वेज आहार लेने से और दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी होती है।

लिवर सिरोसिस की तीन अवस्थाएं

ये एक गंभीर बीमारी है और ये धीरे-धीरे शरीर पर असर करती है इसलिए इसके लक्षण 3 अवस्थाओं में अलग-अलग देखने को मिलते हैं। इन लक्षणों की सहायता से और शरीर की जांच द्वारा इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है।

पहली अवस्था में शरीर बेवजह थकान महसूस करने लगता है और इसका वजन घटना शुरू हो जाता है साथ ही पाचन संबंधी गडबडियां शुरू हो जाती हैं। दूसरी अवस्था में रोगी को बार-बार चक्कर आने लगता है और उल्टियां होने लगती हैं। इसके अलावा खाना खाने का मन नहीं करता है और बुखार बना रहता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था में उल्टियों के साथ खून आने लगता है और मरीज को बेहोशी होने लगती है। इसके अलावा मामूली सी चोट लगने पर भी खून नहीं रुकता है। तीसरा स्टेज आ जाने पर मरीज पर दवाओं का असर नहीं होता है। इसके बाद एकमात्र विकल्प लिवर का ट्रांस्प्लांट बचता है, जो एक बेहद खर्चीला इलाज है।

लिवर सिरोसिस से बचने के उपाय

लिवर सिरोसिस जैसे गंभीर रोग से बचाव के लिए आपको अपने खान-पान की आदतों में सुधार करना होगा। एल्कोहल पदार्थों का सेवन इसकी सबसे बड़ी वजह है इसलिए इसे आपको तुरंत बंद कर देना चाहिए। इसके अलावा फास्ट फूड्स, वसा वाले आहार, लंबे समय तक नॉन वेज आहार और गंदा पानी पीने से भी ये रोग हो जाता है। इससे बचाव के लिए आपको अपने आहार में विटामिन्स और एंटी ऑक्सिडेंट्स से भरे फल, हरी सब्जियां, फल, गाजर, मूली, चुकंदर, सिंघाड़ा, सोयाबीन, अंडा, दूध आदि का सेवन करना चाहिए।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बढ़ता है बेली फैट

आजकल अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बेली फैट बढ़ना काफी आम हो गया है। इस समस्या को लेकर मशहूर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने अपने बताया कि क्यों डाइट और लाइफस्टाइल में बिना किसी बदलाव के भी 30 की उम्र के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि पहले जो खाना नुकसान नहीं करता था, वही अब बेली फैट बढ़ने का कारण बन जाता है। पहले जैसी एक्सरसाइज करने पर भी उतना असर नहीं दिखता। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के मुताबिक, यह बदलाव शरीर में अचानक नहीं होता, बल्कि उम्र के साथ शरीर में होने वाले कुछ नेचुरल बदलावों की वजह से होता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, 30 साल की उम्र के बाद हर दस साल में शरीर की 3-8 प्रतिशत मसल्स धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। जब शरीर में मसल्स होती हैं तो शरीर आराम करते हुए भी कैलोरी बर्न करता रहता है। वहीं, उम्र बढ़ने के साथ मसल्स कम होने से फैट बर्न भी कम हो जाता है। इसकी वजह यह है कि शरीर में ग्लूकोज को इस्तेमाल करने का लगभग 70-80प्रतिशत काम मसल्स ही करती हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट बताते हैं कि जब मसल मास कम होता है तो शुगर खून में ज्यादा देर तक रहती है और बेली फैट के रूप में जमा होने लगती है उम्र बढ़ने के साथ बॉडी इंसुलिन सेंसिटिविटी भी हर दस साल में लगभग 4-5 प्रतिशत कम हो जाती है। इसका मतलब है कि पहले जितनी मात्रा में कार्ब्स खाने से कोई दिक्कत नहीं होती थी, वही मात्रा अब ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा देती है। इससे फैट जल्दी जमा होने लगता है, खासकर कमर और पेट के आसपास।30 की उम्र के बाद शरीर में कुछ हार्मोन्स का लेवल बदलने लगता है। ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन, टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन्स का लेवल कम होने लगता है, जबकि कोर्टिसोल बढ़ जाता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, यह बदलाव पेट के गहरे हिस्से में फैट जमा होने को बढ़ावा देता है। इन सभी बदलावों के कारण 30 के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है। प्रोटीन से भरपूर डाइट लें हफ्ते में कम से कम तीन बार स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने के लिए रोजाना वॉक करें और खुद को एक्टिव रखें। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि यह असर उन लोगों में और ज्यादा होता है जिन्हें फैटी लिवर, प्रीडायबिटीज, डायबिटीज या हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या होती है क्योंकि इंसुलिन रेजिस्टेंस ज्यादा फैट को पेट और लिवर में जमा करता है।

कोलेस्ट्रॉल से बचने जंक और फूड फास्ट फूड से रहें दूर

कोलेस्ट्रॉल एक तरह का वसायुक्त तत्व है, जिसका उत्पादन लिवर करता है। यह कोशिकाओं की दीवारों, नर्वस सिस्टम के सुरक्षा कवच और हॉर्मोंस के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। यह प्रोटीन के साथ मिलकर लिपोप्रोटीन बनाता है, जो फैट को खून में घुलने से रोकता है। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं- एचडीएल (हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन, अच्छा कोलेस्ट्रॉल) और एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन, बुरा कोलेस्ट्रॉल)। एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल काफी हल्का होता है और यह ब्लड वेसेल्स में जमे फैट को अपने साथ बहा ले जाता है। बुरा कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल ज्यादा चिपचिपा और गाढ़ा होता है।

अगर इसकी मात्रा अधिक हो तो यह ब्लड वेसेल्स और आर्टरी में की दीवारों पर जम जाता है, जिससे खून के बहाव में रुकावट आती है। इसके बढने से हार्ट अटैक, हाई ब्लडप्रेशर और ओबेसिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कोलेस्ट्रॉल की जांच के लिए लिपिड प्रोफाइल नामक ब्लड टेस्ट कराया जाता है। किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में कुल कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 200 मिग्रा./डीएल से कम, एचडीएल 60 मिग्रा./डीएल से अधिक और एलडीएल 100 मिग्रा./डीएल से कम होना चाहिए। आज हम आपको खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने और अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने के तरीके बता रहे हैं।

भागदौड भरी जिंदगी में फास्ट फूड और जंक फूड लोगों का सबसे पसंदीदा खाना हो गया है। समय की कमी की वजह से लोग इसका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं। फास्ट फूड में कोलेस्ट्राल की अधिक मात्रा होती है। फास्ट फूड से दूर रह कर कोलेस्ट्राल की मात्रा कम की जा सकती है।

मीठी चीजें कम खाएं

शुगर का कम से कम उपयोग करें। यह मोटापा घटाने में भी आपकी मदद करेगा।यदि आपको खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करना है तो अखरोट और बादाम जैसी सूखी मेवा खूब खाएं। इससे रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। ह्रदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करने और रक्त में लिपिड (वसा व कोलेस्ट्रॉल) का स्तर कम करने की अखरोट, बादाम व मूंगफली जैसी सूखी मेवा की पोषण संबंधी अद्वितीय विशेषताओं के चलते इन पर ज्यादा अध्ययन किया जा रहा है। इस तरह की सूखी मेवा में पौधों के प्रोटीन, वसा (खासकर असंतृप्त वसा अम्ल), खाने योग्य रेशे, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोस्टीरॉइड्स जैसे अन्य यौगिकों की मात्रा अधिक होती है।

कैसे बढ़ाएं गुड कोलेस्ट्रॉल

मोटापा और एलडीएल दोनों साथ-साथ होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं कि आपको कमर तोड़ व्यायाम करना होगा। आप रोज थोड़ी कसरत और अपने खान-पान में सुधार कर बढ़े वजन को धीरे-धीरे काबू कर सकते हैं। विटामिन-बी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन को बढ़ाने में सहायक होता है। विटामिन-बी 5 की 300 मिलीग्राम पूरक से भी आप अपने एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकता है लेकिन ध्यान रहे कि इसके कुछ दुष्प्रभाव जैसे कि जिगर की क्षति आदि भी हो सकते हैं, इसलिए कोई भी सप्लीमेंट या विटामिन लेने से पूर्व एक बार डॉक्टर से अवश्य सलाह लें। रोज लगभग तीस मिनट टहलने भर से आप अपना एचडीएल काफी बढ़ा सकते हैं।

कोलेस्ट्रालयुक्त खाना न खाएं

जिन खाद्य पदार्थों में कोलेस्ट्राल की मात्रा अधिक हो उनका सेवन ना करें। अंडा, दूध, मांस, मछली और चाकलेट में सबसे ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्राल पाया जाता है। अंडे के पीले भाग में सबसे ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्राल पाया जाता है। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के दौरान इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।

बिस्तर पर करें ये 2 योगासन, 7 दिन में पिघलेगी पेट की चर्बी

महिलाएं अक्सर कामकाज, घर-परिवार और अनगिनत जिम्मेदारियों में इतना ज्यादा खो जाती हैं कि वह अपने मन और शरीर की जरूरतों को अनदेखा कर देती हैं। बढ़ती उम्र, भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल और हार्मोनल इंबैलेंस के बीच पेट के आसपास जिद्दी चर्बी जम जाती है। ऐसे में लंबा वर्कआउट या जिम जाने का समय निकाल पाना काफी मुश्किल होता है। वहीं सर्दियों में यह बड़ी चुनौती बन जाता है। क्योंकि सर्दियों में सुबह बिस्तर से निकलने का मन नहीं करता है।

ऐसे में आप योग के जरिए अपनी फिटनेस को बरकरार रख सकती हैं। क्योंकि योग न सिर्फ शारीरिक रूप से बल्कि आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। योग से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और मन में स्थिरता भी बढ़ती है। वहीं सही आसन और रोजाना अभ्यास करने से किसी भी परेशानी को आप मात दे सकती हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दो खास योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं। इन योगासन को आप सुबह बिस्टर पर पेट के बल लेटकर भी कर सकती हैं। इन आसन को करने में सिर्फ 10 मिनट का समय लगता है। लेकिन इसके नियमित अभ्यास से आपको सिर्फ 1 सप्ताह में पेट की चर्बी में हल्का सा बदलाव महसूस होने लगेगा।

धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास करने से पेट की चर्बी पर सबसे ज्यादा प्रेशर डालता है और यह पाचन क्रिया को तेज करता है। इस आसन का अभ्यास करने से वेट लॉस में मदद मिलती है।

ऐसे करें ये आसन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं।

फिर पैरों को घुटनों से मोड़ें और टखनों को पकड़ने के लिए हाथों को पीछे की तरफ ले जाएं।

अब सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से और शरीर के निचले हिस्से को फर्श से ऊपर उठाएं। इससे आपका शरीर धनुष का आकार ले ले।

इसके बाद चिन को धीरे से ऊपर की तरफ मोड़ें और इसको बहुत धीरे-धीरे करें।

इस मुद्रा में 15-20 सेकेंड तक रहें। फिर सांस छोड़ते हुए आसन से बाहर आ जाएं और आराम करें।

भुजंगासन

इस आसन को करने से आपकी पीठ लचीली बनती है और पेट की चर्बी पर सीधा प्रेशर डालकर कम करने में सहायता मिलती है।

ऐसे करें ये आसन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं।

फिर हथेलियों को कंधों के ठीक नीचे जमीन पर रखें और पैरों को एक साथ रखें।

अब सांस पूरी तरह से अंदर लें और कुछ देर सांस रोकें।

इसके बाद धीरे-धीरे सिर, कंधे और धड़ को 3- डिग्री कोण पर ऊपर की ओर उठाएं।

इस दौरान आपकी नाभि जमीन पर टिकी रहे। कंधे चौड़े हों और सिर थोड़ा सा ऊपर की ओर उठा होना चाहिए।

करीब 10 सेकेंड तक इस आसन में रहें।

अब धड़ को धीरे-धीरे नीचे लाएं और फिर बाहर की ओर सांस छोड़ें।

बता दें कि इन रोजाना सिर्फ 10 मिनट इन योगासनों को करने से आपकी कोर स्ट्रेंथ बढ़ती है। पीठ दर्द कम होता है और पेट की चर्बी भी तेजी से कम हो सकती है।

वेट लॉस के लिए नींबू पानी या सिरका, किसका करें सेवन

आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति अपने बढ़े हुए वजन से परेशान है और इसे कम करने के लिए तरह-तरह की डिटॉक्स ड्रिंक पीना पसंद करते हैं। जब वेट लॉस की बात होती है तो इसमें विनेगर और नींबू पानी को बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ये दोनों ड्रिंक्स फैट बर्निंग में मदद करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। जिसकी वजह से आपको फ्लैट टमी मिलता है। लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि इन दोनों में से किसका सेवन किया जाए।

विनेगर वेट लॉस में किस तरह मदद करता है

विनेगर आपकी भूख थोड़ी कम कर सकता है, जिससे आपको ज्यादा देर तक पेट भरा हुआ महसूस होगा। साथ ही, यह ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करने में मदद कर सकता है, जिससे आपको कम क्रेविंग होती है। यह डाइजेशन को भी बेहतर कर सकता है। विनेगर में एसिटिक एसिड होता है, जो फैट मेटाबॉलिज्म को भी हल्का सपोर्ट करता है।

विनेगर का सेवन किस तरह करें

एक चम्मच विनेगर को एक गिलास पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इसे खाने से पहले लेना सबसे अच्छा है। इसे कभी भी डायलूट किए बिना ना लें, क्योंकि यह एसिडिक होता है।

विनेगर से क्या नुकसान हो सकते हैं

विनेगर आपके दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा, इससे एसिड रिफ्लक्स, ब्लोटिंग, जलन हो सकती है। बीपी या शुगर की दवाओं के साथ यह दिक्कत कर सकता है। इसलिए अगर आपको गैस्ट्राइटिस, एसिडिटी, अल्सर है या आप बीपी या डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं, तो पहले डॉक्टर से पूछें।

नींबू पानी वेट लॉस में किस तरह मदद करता है

नींबू पानी आपको हाइड्रेटेड रखता है, जिससे आप बेवजह की स्नैकिंग कम होती है। यह डाइजेशन में मदद करता है। यह आपको फ्रेश और हल्का महसूस कराता है। हाइड्रेशन से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, वॉटर रिटेंशन कम होता है और आप पतले लगते हैं।

नींबू पानी का सेवन किस तरह करें

गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़कर लें। आप इसे सुबह या कभी भी ले सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद भी डाल सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से ऑप्शनल है।

नींबू पानी से क्या नुकसान हो सकते हैं

नींबू पानी से साइड इफेक्ट होने की संभावना काफी कम होती है। लेकिन सेंसिटिव लोगों में इससे एसिडिटी हो सकती है। इसका बहुत ज्यादा सेवन करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है।

म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों में 2025 में 14 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड उद्योग ने 2025 में अपनी मजबूती बरकरार रखते हुए परिसंपत्ति आधार में रिकॉर्ड 14 लाख करोड़ रुपए जोड़े। खुदरा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी और व्यवस्थित निवेश योजना में लगातार रिकॉर्ड निवेश के चलते उद्योग का कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति नवंबर 2025 तक बढ़कर 81 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के सीईओ वेंकट चालसानी ने कहा कि उद्योग का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि मजबूत स्थूक्त प्रवाह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निकासी की भरपाई कर रहे हैं और बाजार को स्थिरता प्रदान कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में म्यूचुअल फंड उद्योग में शुद्ध निवेश प्रवाह 7 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि निवेशक आधार में 3.36 करोड़ नए निवेशक जुड़े। केवल एसआईपी के माध्यम से ही करीब 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया। इन प्रवाहों के चलते उद्योग का एयूएम 2024 के अंत में 67 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत तक 81 लाख करोड़ रुपए हो गया यानी करीब 21 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि यह वृद्धि दर 2024 (31%) और 2023 (27%) से कम रही लेकिन दीर्घकालिक रुझान अब भी मजबूत बना हुआ है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के अनुसंधान प्रमुख प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि 2025 में एयूएम में तेजी का मुख्य कारण मजबूत शेयर बाजार प्रदर्शन और एसआईपी के जरिये लगातार खुदरा निवेश रहा। उन्होंने बताया कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण, पहली बार निवेश करने वालों की बढ़ती संख्या और म्यूचुअल फंड को पारदर्शी व विनियमित निवेश विकल्प के रूप में बढ़ती स्वीकार्यता ने उद्योग को मजबूती दी है। चालसानी ने कहा कि मध्यम से दीर्घ अवधि में बढ़ती वित्तीय जागरूकता, छोटे शहरों से निवेशकों की भागीदारी और एसआईपी की लोकप्रियता उद्योग की स्थिर और व्यापक वृद्धि को आगे भी समर्थन देती रहेगी। गौरतलब है कि म्यूचुअल फंड उद्योग ने लगातार 13वें साल एयूएम में वृद्धि दर्ज की है, जो दीर्घकालिक निवेश की ओर संरचनात्मक बदलाव को दर्शाता है। 2025 में निफ्टी 50 में 8.4 प्रतिशत और बीएसई सेंसेक्स में करीब 10 प्रतिशत की बढ़त ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। इक्विटी-उन्मुख योजनाओं में शुद्ध निवेश 3.53 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि एसआईपी प्रवाह सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में लगातार 29,000 करोड़ रुपए से ऊपर बना रहा।

स्किल इंडिया मिशन की पहल के तहत एआई प्रमाणपत्र देंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी। यह एआई आधारित भविष्य के लिए कार्यबल को तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति छात्रों और संसद सदस्यों सहित शिक्षार्थियों को कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रमाणपत्र प्रदान करेंगी और भविष्य-उन्मुख कौशल कार्यक्रमों में अधिक युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय जागरूकता अभियान स्किल द नेशन चैलेंज की शुरुआत करेंगी। कार्यक्रम के तहत एमएसडीई राष्ट्रपति भवन में एआई फॉर बिगिनर्स विषय पर एक विशेष सत्र आयोजित करेगा। यह सत्र एक संक्षिप्त संवादात्मक शिक्षण मॉड्यूल होगा, जिसे मंत्रालय के प्रमुख एआई कौशल साझेदार गूगल के सहयोग से एक विश्व प्रसिद्ध एआई विशेषज्ञ द्वारा संचालित किया जाएगा। राष्ट्रपति ओडिशा में रायरंगपुर स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये उद्घाटन भी करेंगी।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत बना चमकता सितारा

2025 में घरेलू ताकत ने रची विकास की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत ने 2025 में तेज विकास दर, नियंत्रित महंगाई और मजबूत घरेलू मांग के दम पर चमकता सितारा बनने का दर्जा हासिल किया।

साल 2025 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सुस्ती और अनिश्चितता का वर्ष रहा, लेकिन भारत इस परिदृश्य में एक अपवाद के रूप में उभरा। अमेरिका एवं यूरोप में ऊंची ब्याज दरें, कमजोर उपभोक्ता मांग और व्यापार तनावों के बीच भारत ने अपेक्षाकृत तेज विकास दर, नियंत्रित महंगाई और मजबूत घरेलू मांग का प्रदर्शन किया।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और आरबीआई के आकलन बताते हैं कि 2025 में भारत की आर्थिक कहानी केवल बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि आंतरिक संरचनात्मक मजबूती से गढ़ी गई। आईएमएफ के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक 2025 के मुताबिक, भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 2025 में करीब 6.8 फीसदी रही। यह वैश्विक औसत 3.2% से अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

के अग्रिम अनुमानों में भी सेवा क्षेत्र, निर्माण और सार्वजनिक निवेश को विकास का प्रमुख इंजन बताया गया। सीएमआईई के अर्थशास्त्री महेश व्यास का कहना है कि भारत की वृद्धि का सबसे बड़ा आधार घरेलू मांग है, जिसने निर्यात और वैश्विक व्यापार की सुस्ती के असर को संतुलित किया।

2025 में भारत में खुदरा महंगाई औसतन 5.4 फीसदी रही, जो कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम थी। खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद मुख्य महंगाई अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। इससे आरबीआई को भी राहत मिली और उसने मौद्रिक नीति के मोर्चे पर विकास-समर्थक लेकिन सतर्क नीति अपनाई। 2025 में केंद्र का पूंजीगत खर्च जीडीपी के 3.4 फीसदी तक पहुंच गया।सड़क, रेलवे, रक्षा उत्पादन और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश ने मांग एवं रोजगार दोनों को सहारा दिया। विश्व बैंक की इंडिया डेवलपमेंट अपडेट 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, सार्वजनिक निवेश ने निजी क्षेत्र के लिए क्राउड-इन इफेक्ट पैदा किया। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के मुताबिक, भारत की विकास रणनीति अब निवेश और उत्पादकता बढ़ाने पर आधारित है, जो इसे लचीला बनाती है।

अमेरिकी टैरिफ को इस वर्ष का सबसे बड़ा बाहरी आर्थिक झटका माना गया। अमेरिका को भारत के निर्यात में दूसरी और तीसरी तिमाही में 6-7 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, इस झटके का असर सीमित रहा, क्योंकि यूरोपीय संघ, पश्चिम एशिया और अफ्रीका में निर्यात बढ़ा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिस्वजीत धर के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था अब इतनी विविध हो चुकी है कि एक बाजार का झटका सिस्टमेटिक संकट नहीं बन पाया।

2026 भारत के लिए नीतिगत फैसलों, वैश्विक भू-आर्थिक बदलावों और घरेलू सुधारों की वास्तविक परीक्षा का वर्ष बनेगा।

1979 के बाद सोने का सबसे बड़ा उछाल, चार दशक का सबसे मजबूत प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू- राजनीतिक तनाव और कमजोर डॉलर के बीच सोने ने एक बार फिर अपनी चमक साबित कर दी है। साल 2025 में सोने की कीमतों में ऐसा उछाल देखने को मिला है, जो 1979 के बाद सबसे बड़ा माना जा रहा है। सोना चार दशक से ज्यादा समय में अपने सबसे मजबूत सालाना प्रदर्शन की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। हाजिर सोना 1.3 फीसदी की तेजी के साथ 4,387.29 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को

इसमें दो महीने से अधिक समय की सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट दर्ज की गई थी। बीते शुक्रवार को सोने ने 4,549.71 डॉलर प्रति औंस का रिकॉर्ड उच्च स्तर छुआ था। विश्लेषकों के मुताबिक, हालिया गिरावट मुनाफावसूली का नतीजा रही। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दिसंबर बैठक की कार्यवाही का इंतजार किया जा रहा है। बाजार को उम्मीद है कि अगले साल ब्याज दरों में दो बार कटौती हो सकती है। कम ब्याज दरों का माहौल आमतौर पर सोने जैसी नॉन-यील्डिंग संपत्तियों के लिए सकारात्मक माना जाता है। भू-राजनीतिक मोर्चे पर भी तनाव बना हुआ है। रूस द्वारा यूक्रेन पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास को निशाना बनाने के प्रयास का आरोप लगाए जाने के बाद हालात और बिगड़े हैं, जिससे शांति समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। कमजोर डॉलर, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद और ईटीएफ में बढ़ती हिस्सेदारी के चलते इस साल सोने की कीमतों में करीब 66 फीसदी का उछाल आया है, जो 1979 के बाद का सबसे बड़ा सालाना फायदा माना जा रहा है।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी: अब अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर मिलेगी तीन फीसदी की छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर तीन फीसदी की छूट देने का एलान किया है। रेल मंत्रालय की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि तीन प्रतिशत छूट का प्रस्ताव 14 जनवरी से 14 जुलाई, 2026 की अवधि के दौरान लागू रहेगा।

रेल मंत्रालय ने अनारक्षित टिकटों की खरीदे को लेकर बड़ा एलान लिया है। रेलवे 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद और किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करेगा। वर्तमान में रेलवन एप पर आर-वॉलेट पेमेंट के जरिये अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत कैशबैक मिलता है।

मंत्रालय की ओर से 30 दिसंबर को रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (सीआरआईएस) को लिखे पत्र में कहा गया है कि डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के लिए, रेलवन एप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग करते समय तीन प्रतिशत की छूट प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने सीआरआईएस को इसके लिए सॉफ्टवेयर सिस्टम में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया।

पत्र में कहा गया, 'तीन प्रतिशत छूट का प्रस्ताव 14.01.2026 से 14.07.2026 की अवधि के दौरान लागू रहेगा। सीआरआईएस इस प्रस्ताव पर आगे की

पड़ताल के लिए मई में फीडबैक प्रस्तुत करेगी।पत्र में स्पष्ट किया गया है कि रेलवन ऐप पर 'आर-वॉलेट' के माध्यम से बुकिंग करने पर मिलने वाला मौजूदा तीन प्रतिशत 'कैशबैक' जारी रहेगा। यह स्पष्ट करते हुए कि यह पेशकश किसी अन्य ऑनलाइन अनारक्षित टिकट खरीद प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है, एक अधिकारी ने कहा, 'मौजूदा व्यवस्था में, रेलवन एप पर अनारक्षित टिकट खरीदने और आर-वॉलेट के माध्यम से भुगतान करने वाले संभावित यात्रियों को तीन प्रतिशत 'कैशबैक' की पेशकश की जाती है।

सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 85,180 पर कारोबार कर रहा

मुंबई, एजेंसी। घरेलू संस्थागत निवेशकों की निरंतर खरीदारी से सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स पांच सत्र की गिरावट के बाद आज 505.37 अंक चढ़कर 85,180.45 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 178.45 अंक की बढ़त के साथ 26,117.30 अंक पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाइटन, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। हालांकि बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इन्फोसिस के शेयर में गिरावट देखी गई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का एसएसई कम्पोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,844.02 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,159.81 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के तीसरे बैच के लिए एडमिशन शुरू किये

इंदौर, एजेंसी। आईआईएम इंदौर (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर) ने काम करने वाले लोगों के लिए अपने दो साल के खास मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज प्रोग्राम के तीसरे बैच के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। आईआईएम इंदौर दुनिया के उन गिने-चुने संस्थानों में से है जिसे तीन बड़ी अंतर्राष्ट्रीय मान्यताएं - ईक्यूयूआईएस, एएसीएसबी, और एएमबीए का ट्रिपल क्राउन मिला हुआ है। यह प्रोग्राम मार्च 2026 से मार्च 2028 तक चलेगा और यह लाइव ऑनलाइन डिग्री प्रोग्राम है, जिसमें 900 घंटे की पढ़ाई होगी। यह प्रोग्राम मिड-कॅरियर लीडर्स को एडवांस मैनेजमेंट क्षमताएं, रणनीतिक सोच और व्यवहारिक समझ देता है ताकि वे जटिल व्यापारिक माहौल को संभाल सकें।

मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ प्रोग्राम पेशेवरों को मुख्य विषयों जैसे माइक्रोइकोनॉमिक्स, मार्केटिंग, ऑपरेशंस, फाइनेंस, मानव संसाधन और रणनीतिक प्रबंधन में गहन मैनेजमेंट विशेषज्ञता विकसित करने में मदद करता है। बाद के चरणों में, लर्नर्स चुने हुए इलेक्टिव विषयों, प्रोजेक्ट्स और एक थीसिस ट्रैक के माध्यम से इस नींव को और मजबूत करते हैं। वे इंटरैक्टिव लर्निंग और 16 दिनों के तीन ऑन-कैंपस सेशन के माध्यम से डेटा-आधारित निर्णय लेना, ज़िम्मेदार नेतृत्व, नैतिक निर्णय और जटिल वैश्विक व्यापारिक माहौल को संभालने की क्षमता विकसित करते हैं। ये ऑन-कैंपस सेशन आपसी सहयोग को भी बढ़ावा देते हैं। पिछले बैचों में आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, मार्केटिंग, सेल्स, ऑटोमोटिव, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और अन्य क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर शामिल थे, जिनमें सीईओ, वाइस प्रेसिडेंट, डायरेक्टर, जनरल मैनेजर, सीनियर मैनेजर्स और एनालिस्ट जैसे बड़े पद के लोग थे।

आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर, प्रोफेसर हिमांशु राय ने इस प्रोग्राम की घोषणा पर कहा, कामकाजी पेशेवरों के लिए हमारा यह दो साल का ऑनलाइन डिग्री प्रोग्राम आईआईएम इंदौर के उस समर्पण को दर्शाता है कि हम ऐसे लीडर्स तैयार करें जो जटिलता और बदलाव के बीच भी उत्कृष्टता प्राप्त करें।

भारत ने तोड़ा वर्षों पुराना यह रिकॉर्ड, चीन को पछाड़ निकल गया सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चावल की बड़े पैमाने पर खेती और उत्पादन के मामले में लंबे समय तक चीन दुनिया में सबसे आगे रहा लेकिन अब भारत ने वर्षों पुराना यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत न सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है, बल्कि वैश्विक चावल उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 28 प्रतिशत से भी ज्यादा हो चुकी है। इस बड़ी उपलब्धि को यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ने भी मान्यता दी है। यूएसडीए की दिसंबर 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में चावल का उत्पादन बढ़कर 152 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जबकि चीन का उत्पादन 146 मिलियन मीट्रिक टन रहा। इसके साथ ही भारत दुनिया में चावल उत्पादन का नया सरताज बन गया है। भारत में चावल की खेती कोई नई बात नहीं है। प्राचीन काल से ही चावल भारतीय भोजन और कृषि का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया में चावल की करीब 1.23 लाख किस्में पाई जाती हैं, जिनमें से लगभग 60 हजार किस्में भारत में मौजूद हैं। हालांकि, भारत को इस मुकाम तक पहुंचाने में ताइवान की अहम भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 1960 के दशक में जब भारत भीषण खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब ताइवान ने भारत की मदद के लिए अपने धान की किस्म ताइचुंग नेटिव-1 उपलब्ध कराई।

पीएनजी ज्वेलर्स ने लाइटस्टाइल बाय पीएनजी के साथ विकास के अगले पड़ाव को गति दी

सारा तेंदुलकर को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया

पुणे, एजेंसी। पीएनजी ज्वेलर्स के समकालीन हल्के वजन वाले उत्तम आभूषण ब्रांड लाइटस्टाइल बाय पीएनजी ने सारा तेंदुलकर को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है. यह कदम भारत के भविष्य के ज्वेलरी उपभोक्ताओं से ब्रांड के जुड़ाव को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

यह साझेदारी पीएनजी ज्वेलर्स के पुराने ग्राहकों और भविष्य के ग्राहकों के बीच एक धोरणात्मक सेतु के रूप में लाइटस्टाइल की भूमिका को और मजबूत करती है. पीएनजी ज्वेलर्स लगभग दो सदियों से पीढ़ियों से एक विश्वसनीय नाम रहा है, वहीं लाइटस्टाइल को विशेष रूप से आधुनिक रिटेल प्रारूप, समकालीन डिजाइन भाषा और एक सर्वव्यापी अनुभव के माध्यम से अगली पीढ़ी के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है.

लाइटस्टाइल के पीछे की व्यापक सोच

के बारे में बात करते हुए, पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, लाइफस्टाइल बाय पीएनजी हमारे मौजूदा ग्राहकों और भविष्य के ग्राहकों के जोड़ने का एक अच्छा और दीर्घकालिक प्रयास है. पीएनजी ने पीढ़ियों से विश्वास संपादन किया है, लेकिन हमारे लिए यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम आज के युवा उपभोक्ताओं की सोच, खरीदारी और अभिव्यक्ति के तरीके के अनुरूप बने रहें. लाइफस्टाइल को एक आधुनिक रिटेल फॉर्मेट के रूप में बनाया गया है, जिसमें मजबूत ओमनीचैनल उपस्थिति है और इसे केवल पारंपरिक अवसरों तक सीमित न रखकर रोज के पलों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है. यह कोई शार्ट टर्म स्टाइल पहल नहीं है, बल्कि पीएनजी के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्र है, जिसमें मर्चेंडाइजिंग, प्लानिंग, मार्केटिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विशेष ध्यान दिया गया है. हमारे पायलट स्टोर्स को मिली उत्साहजनक प्रतिसाद ने हमें प्रमुख बाजारों में ब्रांड को संरचित तरीके से विस्तार करने का आत्मविश्वास दिया है. सारा तेंदुलकर की स्वाभाविक शालीनता, आधुनिक दृष्टिकोण और मजबूत डिजिटल जुड़ाव उन्हें ब्रांड की विचारधारा के लिए एकदम उपयुक्त बनाते हैं. इंस्टाग्राम पर 8.9 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, उन्हें उनकी आकर्षक स्टाइल, प्रामाणिकता और संतुलित व्यक्तिमत्व के लिए व्यापक रूप से पहचाना जाता है. उत्कृष्ट डिझाइन, सादगीपूर्ण और आराम को प्राथमिकता देने वाले फैशन के प्रति उनकी पसंद, लाइटस्टाइल के डिजाइन सिद्धांतों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है.

सीपीआई की गणना पद्धति में होगा बदलाव, 2026 में कम रहेगी महंगाई, जीएसटी कटौती ने उच्च कीमतों से दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सीपीआई की गणना पद्धति में बदलाव और खाद्य कीमतों में नरमी से 2026 में महंगाई कम रहने की उम्मीद। फरवरी में नई सीपीआई श्रृंखला जारी हो सकती है।

खुदरा महंगाई को लक्षित करने के लिए सरकार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की गणना पद्धति में बदलाव और मौद्रिक नीति में संशोधन करने की तैयारी कर रही है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी और जीएसटी दरों में कमी के कारण इस वर्ष उच्च महंगाई से राहत मिली है। सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई अगर 2 से 6 फीसदी के दायरे में बनी रही, तो आरबीआई रेपो दर में एक बार और कटौती कर सकता है।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के अलावा सरकार के सितंबर में लगभग 400

वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी करने के निर्णय ने देश में मूल्य स्थिति को और बेहतर बनाने में मदद की। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) ने भी 2025 तक मुद्रास्फीति के दबाव में कमी के स्पष्ट संकेत दिखाए। शुरुआती महीनों में सकारात्मक लेकिन घटती डब्ल्यूपीआई महंगाई दर्ज की गई, जो विशेष रूप से खाद्य और ईंधन श्रेणियों में मूल्य दबाव में नरमी को दर्शाती है। खुदरा महंगाई नवंबर, 2024 से घटनी शुरू हुई और तब से जून, 2025 तक यह रिजर्व बैंक के 2 से 4 फीसदी के दायरे में बनी रही। इसके बाद यह 2 फीसदी से भी नीचे आ गई। सीपीआई में लगभग 48 फीसदी हिस्सा रखने वाली खाद्य महंगाई जनवरी में लगभग 6 फीसदी से घटनी शुरू हुई और जून में नकारात्मक स्तर पर यानी शून्य से नीचे पहुंच गई। नवंबर में खाद्य महंगाई (-)3.91 फीसदी थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, अगले वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शीर्ष महंगाई के 4 फीसदी के लक्ष्य के करीब रह सकती है। कीमती धातुओं को छोड़कर महंगाई काफी कम रहने की संभावना है, जैसा 2024 की शुरुआत से ही रुझान रहा है। अच्छे कृषि उत्पादन, कम खाद्य कीमतों और वैश्विक कमोडिटी कीमतों के असाधारण रूप से अनुकूल दृष्टिकोण से संकेत मिलता है कि पूरे वर्ष (2025-26) के लिए खुदरा महंगाई करीब 2 फीसदी रह सकती है।

सैमसंग एआईटीवी पर आ रहा है गूगल फोटोज

सैमसंग टीवी पर पहली बार मिलेगा गूगल फोटोज का अनुभव

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज अपनी एक नई पहल की घोषणा की है,जो हमारे यादों को सहेजने के तरीके को बदल देगी। कंपनी जल्द हीगूगल फोटोजको सीधे अपने टीवी लाइनअप में एकीकृत करने जा रही है। अब आपकी छुट्टियों की मस्ती,पुराने शौक और अपनों के साथ बिताए गए वो अनमोल पल सिर्फ मोबाइल तक सीमित नहीं रहेंगे;अब आप उन्हें अपने टीवी कीविशाल और भव्य स्क्रीनपर देख सकेंगे। इसका मकसद परिवारों को एक साथ लाना है,ताकि वे अपने जीवन के सबसे खूबसूरत लम्हों को एक शानदार और इमर्सिव अंदाज़ में फिर से जी सकें। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (विजुअल डिस्प्ले बिजनेस), केविन ली ने इस

साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा, सैमसंग टीवी हमेशा से घर के लिविंग रूम का केंद्र रहे हैं,जहाँ पूरा परिवार एकजुट होता है। अब गूगल फोटोज के साथ यह अनुभव और भी खास और निजी होने जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि यूजर्स अपने लिविंग रूम में आराम से बैठकर अपनी तस्वीरों के पीछे छिपी अनकही कहानियों को फिर से महसूस कर सकें और उन महत्वपूर्ण पलों को एक नए नजरिए से देख सकें। गूगल फोटोज हमारी अनमोल यादों को फिर से जीने और उन्हें अपनों के साथ बांटने का काम बेहद आसान बना देता है। अब इस नई साझेदारी के साथ,आपके स्मार्टफोन की गैलरी में सिमटी यादें सीधे सैमसंग टीवी पर पहुँच जाएंगी।

14 छक्को और 9 चौके, सरफराज खान ने रोहित शर्मा का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान को विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के साथ अपने व्हाइट-बॉल करियर को फिर से शुरू करने का एक नया मौका मिला है। यह भारतीय बल्लेबाज, जिसने आखिरी बार 1 नवंबर, 2024 को भारत के लिए खेला था, मुंबई के लिए शानदार फॉर्म में है। सरफराज ने गोवा के खिलाफ सिर्फ 75 गेंदों में शानदार 157 रन बनाए जिसमें 14 छक्को और 9 चौके शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और मुंबई के लिए सबसे तेज लिस्ट-

शतक बनाने वाले खिलाड़ी बनकर रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रोहित ने पिछले हफ्ते ही सिक्किम के खिलाफ 62 गेंदों में शतक बनाकर यह रिकॉर्ड बनाया था और उस मैच में 94 गेंदों में 155 रन बनाए थे। सरफराज ने शानदार तरीके से रिकॉर्ड तोड़ा, जब कई नए खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। सरफराज का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनका औसत 63.15 है, जिसमें उनके नाम 16 शतक और 16 अर्धशतक हैं। उन्हें 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने साइन किया था, और सिर्फ 17 साल की उम्र में, वह उस समय आईपीएल में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी निडर और इनोवेटिव बैटिंग ने उन्हें जल्दी ही फैंस का पसंदीदा बना दिया, लेकिन बाद में उनके व्हाइट-बॉल करियर की रफ्तार धीमी हो गई। अब ऐसा लगता है कि वह दौर उनके पीछे छूट गया है। फिटनेस में सुधार के बाद सरफराज ने खुद को सभी फॉर्मेट में एक मजबूत दावेदार के रूप में बदल लिया है। उन्होंने हाल ही में मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने 65.80 की औसत और 203.09 के शानदार स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए। सरफराज को हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल नीलामी खरीदा है।

जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे डेमियन मार्टिन

दिमागी बुखार ने कोमा में पहुंचाया

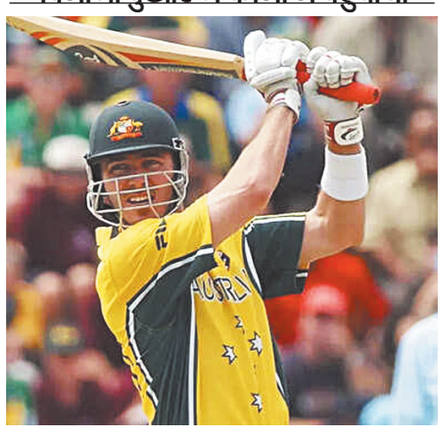

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन कोमा में पहुंच गए हैं। बॉक्सिंग डे पर मार्टिन बीमार हो गए थे। इसके बाद उन्हें क्वींसलेंड के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 54 साल के मार्टिन को मेनिनजाइटिस (दिमागी बुखार) हुआ है। उन्हें अभी इंड्यूस्ड कोमा में रखा गया है। मार्टिन के करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने उनके बीमार होने की पुष्टि की। एडम गिलक्रिस्ट ने बताया कि डेमियन मार्टिन को सबसे बेहतरीन इलाज मिल रहा है। उन्होंने न्यूज कॉर्प से बात करते हुए कहा, 'उन्हें सबसे अच्छा इलाज मिल रहा है। अमांडा और उनके परिवार को पता है कि बहुत से लोग उनके लिए प्रार्थना कर रहे हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।' मार्टिन के एक और पूर्व साथी खिलाड़ी डैरेन लेहमन ने भी एक्स पर उनके और उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं भेजीं। लेहमन ने एक्स पर लिखा- बहुत सारा प्यार और प्रार्थनाएं डेमियन मार्टिन के लिए भेज रहा हूं। मजबूत बने रहो और लड़ते रहो, लीजेंड। परिवार को प्यार। अपने खेलने के दिनों में डेमियन मार्टिन को खेल के बेहतरीन स्ट्रोकमेकर्स में से एक माना जाता था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट और 208 वनडे मैच खेले। वे 1999 और 2003 में विश्व कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। 2003 में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल में उन्होंने 88 रन की नाबाद पारी खेली थी। इस दौरान शतक लगाने वाले रिकी पोंटिंग के साथ उन्होंने नाबाद 234 रन जोड़े थे। 2006 में संन्यास लेने से पहले मार्टिन ने 67 टेस्ट, 208 वनडे और 4 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। उनके नाम टेस्ट में 4406, वनडे में 5346 जबकि टी20 इंटरनेशनल में 120 रन हैं।

दीप्ति शर्मा ने दी 2025 को शानदार विदाई

महिला टी20 में नंबर-1 गेंदबाज बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शानदार अंदाज में साल 2025 का अंत किया। दीप्ति ने मंगलवार (30 दिसंबर) को श्रीलंका के खिलाफ पांचवें टी20 में एक विकेट लिया। उन्होंने नीलाक्षिका सिल्वा को आउट करके इतिहास रच दिया। वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। दीप्ति ने श्रीलंका की पारी में 14वें ओवर में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट करके ऑस्ट्रेलिया की मेगन स्कट को पीछे छोड़ा। स्कट के 151 विकेट हैं। दीप्ति के 152 विकेट हो गए हैं। पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दीप्ति ने तीसरे टी20 में टी20 इंटरनेशनल में 150 विकेट पूरे किए थे। वह यह उपलब्धि हासिल करने वालीं भारत की पहली क्रिकेटर बनीं।

दीप्ति का इंटरनेशनल करियर

महिला वनडे में दीप्ति आठवीं सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं और झूलन गोस्वामी के बाद भारत की दूसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने 121 मैचों में 27.32 के औसत से 162 विकेट लिए हैं। जिसमें 6 विकेट देकर 20 रन देना उनका बेस्ट प्रदर्शन है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने पांच मैचों में 18.10 के औसत से 20 विकेट लिए हैं। दीप्ति शर्मा के नाम अब टी20 133 मैचों में 18.00 से ज्यादा के औसत से 152 विकेट हैं। इसमें उनका बेस्ट प्रदर्शन 10 रन देकर 4 विकेट है। कौन हैं जी कमलिनी? 17 साल की लड़की को श्रीलंका के खिलाफ पांचवें टी20 में मिला डेब्यू का मौका

भारत ने 5-0 से सीरीज जीती

दीप्ति शर्मा ने पांचवें टी20 में 4 ओवर में 28 रन देकर 1 विकेट लिए। भारतीय टीम ने यह मैच 15 रन से जीतकर सीरीज 5-0 से जीत ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 175 रन बनाए। श्रीलंका की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर प्लेयर ऑफ द मैच और शैफाली वर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं।

प्रीमियर लीग

चेल्सी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा

लंदन, एजेंसी। स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चेल्सी और एएफसी बोर्नमाउथ के बीच खेला गया रोमांचक मुकाबला ड्रॉ के रूप में समाप्त हुआ। मैच 2-2 से ड्रा रहा। मैच के सभी 4 गोल शुरुआती 27 मिनट के अंदर हुए। इसके बाद दोनों ही टीमें बढ़त बनाने के लिए कड़ा संघर्ष करती दिखीं, लेकिन सफलता किसी को नहीं मिली।

मैच ड्रा होने की वजह से चेल्सी लिवरपूल को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंचने का मौका चूक गई।

काम्या ने रचा इतिहास

साउथ पोल तक स्कीइंग करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं

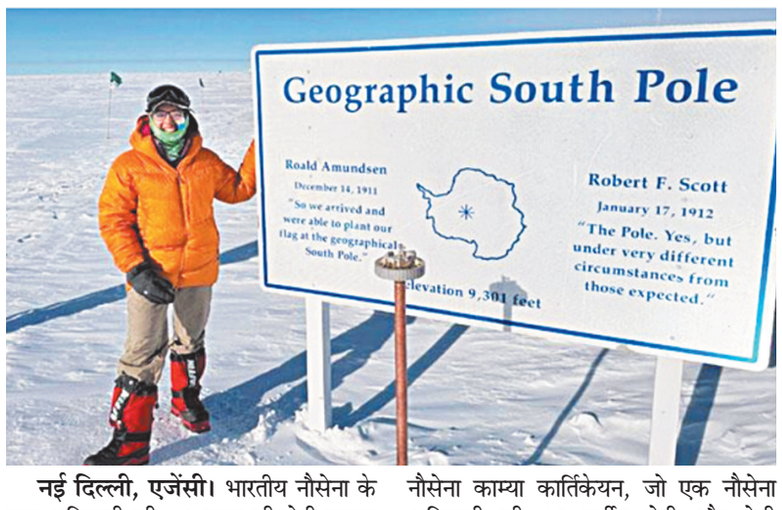

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं। काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से शुरू करके, अपने पूरे एक्सपेडिशन का सामान ले जा रही स्लेज को खींचते हुए, स्कीइंग करते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल लगभग 115 किमी का सफर तय किया। उन्होंने 27 दिसंबर को यह मुश्किल अभियान पूरा किया। इस शानदार उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्होंने अंटार्कटिका की मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया, जिसमें तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिरना और तेज तूफानी हवाएं शामिल थीं। उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भारतीय नौसेना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारतीय नौसेना काम्या कार्तिकेयन, जो एक नौसेना अधिकारी की 18 वर्षीय बेटी और नेवी चिल्ड्रन्स स्कूल की पूर्व छात्रा हैं, को बधाई देती है, जिन्होंने साउथ पोल तक स्कीइंग करके सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनकर एक बार फिर इतिहास रचा है।' नौसेना ने आगे कहा, 'काम्या माइनस 30 डिग्री सेल्सियस के कठोर मौसम और तूफानी हवाओं का सामना करते हुए अपने पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज को खींचते हुए लगभग 60 नॉटिकल मील (लगभग 115 किमी) पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं।' 12वीं कक्षा की छात्रा काम्या, प्रतिष्ठित एक्सप्लोरर्स ग्रैंड स्लैम को पूरा करने का प्रयास कर रही हैं, जिसमें सभी सात महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ना और नॉर्थ और साउथ पोल दोनों जगह स्कीइंग करना शामिल है। इससे पहले उन्होंने सेवन समिट्स चैलेंज पूरा किया था और नेपाल की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बनीं।

दिल्ली की आद्या कात्याल ने जीता स्वर्ण पदक, जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा में बनीं विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की आद्या कात्याल ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा का खिताब जीता। दिल्ली की किशोरी आद्या कात्याल ने मंगलवार को कर्णी सिंह रेंज में राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में जूनियर महिला ट्रैप स्पर्धा का खिताब जीता। 15 साल की आद्या ने 42 हिट के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश की सबीरा हारिस 41 हिट के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। तमिलनाडु की तनिष्का सेंथिलकुमार ने 28 हिट के साथ कांस्य पदक जीता।

मोहम्मद शमी की होगी टीम इंडिया में वापसी

विश्व कप 2027 के प्लान से नहीं बाहर हुए 'लाला'!

नई दिल्ली, एजेंसी। मोहम्मद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से कोई भी इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है। उन्हें लंबे समय से वनडे और टेस्ट टीम में भी नहीं चुना जा रहा है, लेकिन टीम इंडिया में 'लाला' नाम से मशहूर शमी ने हिम्मत नहीं हारी और घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। 35 वर्षीय गेंदबाज की आगामी न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में वापसी हो सकती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई सूत्र के हवाले से जानकारी मिली है कि शमी के घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। उनकी टीम इंडिया में वापसी अब ज्यादा दूर नहीं लग रही है। यानी अगर शमी वापस लौटे और उन पर नजर रखी जा रही है तो वह वनडे विश्व कप 2027 के प्लान का भी हिस्सा हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में चुना जा सकता है। सूत्र से मिली जानकारी के मुताबिक, 'मोहम्मद शमी का नाम लगातार चर्चा में लाया जा रहा है। वह प्लानिंग से बाहर नहीं हैं, लेकिन सिर्फ एक चिंता का विषय है उनकी फिटनेस। उनके जैसी क्षमता वाला तेज गेंदबाज अहम है और विकेट निकालने में कारगर भी। यह कहना गलता होगा कि वह सेलेक्शन के रडार से बाहर हैं।

वह न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए फिट लग रहे हैं। इसमें हैरानी नहीं होगी अगर उनका चयन होता है, यहां तक 2027 वर्ल्ड कप भी वह खेल सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह नहीं खेले हैं। टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए उनका वर्कलोड मैनेज किया जा रहा है। इसी कारण भारत के पास मौजूदा समय में कोई भी सीनियर पेसर नहीं है। अगर शमी पर सेलेक्टर्स भरोसा दिखाते हैं तो वह न्यूजीलैंड सीरीज में पेस बैट्री का नेतृत्व करते नजर आ सकते हैं।

कार्लसन ने चौंकाते हुए जीता 9वां ब्लिट्ज खिताब

अर्जुन ने जीता दिल, पीएम मोदी ने की तारीफ

दोहा, एजेंसी। नार्वे के सुपरस्टार ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन ने एक बार फिर दिखाया है कि वे दुनिया के रिकॉर्ड 9वीं बार वर्ल्ड ब्लिट्ज टाइटल अपने नाम कर लिया है। फिडे वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप के फाइनल में

नंबर-1 चैस प्लेयर क्यों हैं? कार्लसन ने खुद को एंडगेम जीनियस साबित करते हुए उन्होंने उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर नॉदिरबेक एब्दयूसतारोव को हराकर खिताब जीता। दो दिन पहले उन्होंने यहीं वर्ल्ड रैपिड चैस चैंपियनशिप का भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। वर्ल्ड ब्लिट्ज में कार्लसन समेत कई दिग्गजों को चौंकाने वाले भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को सेमीफाइनल में शॉकिंग हार के चलते ब्रॉन्ज मेडल से ही संतुष्ट होना पड़ा है। हालांकि अर्जुन ने अपने खेल से इस टूर्नामेंट में सभी का दिल जीता है और उनकी टेक्निक की तारीफ कई दिग्गज चैस प्लेयर करते दिखाई दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अर्जुन को ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए बधाई दी है।

देश को लगातार दो पैरालंपिक में पदक दिलाने वाले जैवलिन थ्रोअर

सुंदर सिंह गुर्जर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पिछले एक दशक में जिन खेलों की लोकप्रियता सबसे ज्यादा बढ़ी है और जिस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम किया है, उसमें जैवलिन प्रमुख है। ओलंपिक के साथ पैरालंपिक में भी जैवलिन में भारतीय खिलाड़ी बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन कर रहे हैं। पैरा एथलेटिक्स में सुंदर सिंह गुर्जर का नाम जैवलिन के क्षेत्र में काफी लोकप्रिय है। सुंदर सिंह ने लगातार दो पैरालंपिक में जैवलिन में देश के लिए पदक जीते हैं। सुंदर सिंह गुर्जर का जन्म 1 जनवरी 1996 को करौली, राजस्थान में हुआ था। सुंदर सिंह की बचपन से ही पढ़ाई में कम और खेलकूद में ज्यादा रुचि रही। उनके पिता और भाई कुश्ती खेलते थे, लेकिन कोच की सलाह पर सुंदर ने 2012 में जैवलिन थ्रो शुरू किया। शुरुआत में वह सामान्य श्रेणी में खेलते थे, लेकिन 2015 में दोस्त के घर छत पर लोहे की चादर लगाते समय उनका हाथ कट गया और उनका बायां हाथ कटकर अलग हो गया। इस घटना ने सुंदर को मानसिक तौर पर तोड़ दिया था और उन्होंने जैवलिन छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन उनके कोच महावीर प्रसाद सैनी ने उन्हें हिम्मत न हारने और पैरा एथलेटिक्स की तरफ मुड़ने के लिए प्रेरित किया। गुरु की सलाह ने सुंदर सिंह की जिंदगी को नई दिशा देने का काम किया।

उन्होंने पैरा एथलेटिक्स में जैवलिन में देश के लिए पदक जीतने का सपना देखा। वे एफ46 कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हैं। सुंदर सिंह गुर्जर ने 2016 में रियो पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई किया था, लेकिन वहां कॉल रूम में 52 सेकंड देर से पहुंचने की वजह से डिस्क्वालीफाई हो गए।

टी-20 वर्ल्ड कप 2025

राशिद खान टी20 विश्व कप में करेंगे अफगानिस्तान की कप्तानी

मिस्ट्री स्पिनर को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 15-सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। स्टार लेग स्पिनर राशिद खान टूर्नामेंट में अफगानिस्तान की कप्तानी करेंगे। वहीं सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान को उनका डिप्टी बनाया गया है। 2024 में हुए टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ने कमाल का प्रदर्शन किया था। टीम सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी। एक जनवरी को 41 साल के हो रहे मोहम्मद नबी भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में गुलबदीन नायब और नवीन-उल-हक की वापसी हुई है, जिससे उनकी बॉलिंग लाइन-अप भी काफी मजबूत हुई है। नवीन ने 2025 में अफगानिस्तान के लिए कोई मैच नहीं खेला। चोट की वजह से वह एशिया कप नहीं खेल पाए थे।

दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में टीम के लिए कमाल का प्रदर्शन किया था। फारूकी वर्ल्ड कप टीम में शामिल अन्य तेज गेंदबाज हैं। फारूकी टी20 विश्व कप 2024 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर थे।

- **अल्लाह गजनफर रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल-** मिस्ट्री स्पिनर अल्लाह गजनफर टीम में जगह बनाने में सफल नहीं हुए हैं। उन्हें तीन रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। अल्लाह के अलावा इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी भी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किए गए हैं। टी20 विश्व कप से पहले अफगानिस्तान की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज भी खेलेगी। उस सीरीज में भी 19 से 22 जनवरी के बीच शारजाह में होने वाले तीन टी20 मैच में यही खिलाड़ी उतरेंगे। अफगानिस्तान को टी20 विश्व कप में ग्रुप डी में रखा गया है। इसमें न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, यूएई और कनाडा की टीम भी है। दो मजबूत टीम होने की वजह से अफगानिस्तान की रहा आसान नहीं होगी। 8 फरवरी को अपने पहले मैच में अफगानिस्तान का सामना चेन्नई में न्यूजीलैंड से होगा। इसके बाद 11 फरवरी को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका से भिड़ना है। टी20 विश्व कप 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीमः राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजल हक फारूकी और अब्दुल्ला अहमदजई।

सनातन में शास्त्र विरुद्ध भक्ति क्यों ?

भोपाल। अखिल विश्व सत्य सनातन संघ के अध्यक्ष उदित भदोरिया सनातन में शास्त्र अनुसार भक्ति करना चाहिए की व्याख्या करते हुए प्रमाण सहित बताया कि , गीता अध्याय 8 के शोक 12 में कृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन तेरे और मेरे अनेक जन्म हो चुके हैं इसका आशय है कि भगवान कृष्ण के अनेक जन्म हुए हैं गीता अध्याय 2 के श्लोक 12 में कहा है कि तू तथा यह सब राजा लोग पहले भी जन्मे थे वर्तमान में भी जन्मे है ऐसा नहीं की आगे भी नहीं जन्मेगी, इसका आशय है कि सभी की जन्म और मृत्यु होती रहेगी, गीता अध्याय 10 श्लोक दो में स्पष्ट है कि मेरी उत्पत्ति हुई है परंतु मेरी उत्पत्ति को ऋषिगण एवं देवता नहीं जानते हैं गीता के अध्याय 18 के श्लोक 62 तथा 66 में परमात्मा की शरण में जाने को कहा है वह परमात्मा कौन है कृष्ण कहते हैं उसी की कृपा से परम शक्ति तथा सनातन धाम की प्राप्ति होगी ऋग्वेद मंडल 9 सूक्त 54 मंत्र 3 में पूर्ण परमात्मा आकाश में रहकर सबको प्रकाश तथा उष्णता प्रदान करता है वह सभी ब्रह्मांडों के ऊपर विराजमान है शिव पुराण गीता प्रेस गोरखपुर में पृष्ठ नंबर 100 से 103 पर लिखा है कि सदाशिव अर्थात काल रूपी ब्रह्म तथा प्रकृति (दुर्गा) के संयोग से श्री सतोगुणी विष्णु रजोगुणी श्री ब्रह्मा तथा तमोगुणी श्री शिवजी का जन्म हुआ है यह प्रकृति जो अष्टांगी मां कहलाती है तीनों देवों की जननी है तीनों की माता कहलाती है, पवित्र श्रीमद् देवीपुराण के तीसरे स्कंध में पृष्ठ क्रमांक 114 से 123 तक में स्पष्ट वर्णन है भगवान विष्णु कहते हैं यहप्रकृति (दुर्गा) हम तीनों की जननी है विष्णु जी कहते हैं है माता ब्रह्मा तथा शिव तो नाशवान है हमारा तो आविर्भाव (जन्म) तथा तिरोभाव (मृत्यु) होती है,, कॉल रूपि पुरुष को सबने स्वीकार किया पर दिव्य पुरुष गीता अध्याय 8 के श्लोक 3, 8 ,9, 10, 20 ,21, 22, अध्याय 18 के श्लोक 62 एवं 18 तथा अध्याय 15 श्लोक 1,4,16 ,17 में कहा पूर्ण ब्रह्म को कोई नहीं जानता, गीता अध्याय 7 के श्लोक 12 तथा 15 में प्रमाण है, जो राजो, tamo , तथा सतोगुणी की पूजा करते हैं वह मुझे नहीं भजते वह मानव में दूषित कर्म वाले हैं जो जिसकी पूजा करता है वह उसी को प्राप्त होता है त्रिगुण पूजा करने वाले मुझे नहीं जानते, जय सनातन विजय सनातन सत्य सनातन विश्व सनातन

बैरसिया में श्री शिव महापुराण कथा के लिए भव कलश यात्रा, (11000) रुद्राक्ष वितरण महोत्सव 7 जनवरी को

माधो सिंह दांगी बैरसिया। बैरसिया।। श्री शिव महापुराण कथा के लिए भव कलश यात्रा निकाली गई कलश यात्रा रेंज माता मंदिर से प्रारंभ होकर मुख मार्गो से होती हुई कथा स्थल बाल विहार पहुंची। कलश यात्रा में सैकड़ो महिलाएं जल से भरा कलश सिर पर रखकर महिला भक्ति से भाव विभोर भगवान के भजन गाते हुए कथा स्थल पर पहुंची, डीजे ढोल की धुन पर नृत्य करते हुए श्रद्धालु चल रहे थे। वही शंकर एवं पार्वती जी की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जगह-जगह कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। कथा वाचक श्री श्याम सुंदर जी महाराज राजघाट काशी के मुखारविंद से कथा का वाचन किया जाएगा, आयोजक समिति, डॉ रामबाबू साहू शिवम रत्नाकर, नितेश यादव, अध्यक्ष हिंदू उत्सव समिति श्याम साहू, बी, एस साहू, धीरज मालवीय मनोज डॉ रामप्रकाश दुबे, वीर सिंह बघेल बृजेंद्र सोनी दीपक दुबे रामेश शर्मा, लालाराम साहू प्रदीप जैन दीपक कुशवाहा, जय नारायण,बैरागी, भगवानदास वियानी, कैलाश सक्सेना, श्याम साहू सरदार नरवरिया विवेक सक्सेना,वीरेंद्र जैन,मुकेश शिल्पकार, अवधेश प्रजापति,गिरजेश गोयल, संजीव कुशवाहा जितेंद्र सिसोदिया,महेंद्र साहू गोलू यादव अर्जुन कुशवाहा प्रेममाली भगवान सिंह विश्वकर्मा नीलेश साहू मयंक गुप्ता अजय कुशवाहा सर्वेश राजपूत वीर राठौर विकास यादव, एवं समिति के सभी सदस्य एवं नगर की धर्म में जनता जनार्दन उपस्थित रही।।

मध्यप्रदेश के शराब माफियाओं पर पुलिस ने कसा शिकंजा

प्रदेश भर की कार्रवाई में 1 करोड़ 65 लाख की अवैध शराब एवं संपत्ति जब्त

भोपाल। पिछले दिनों मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ ताबातोड़ कार्रवाई करते हुए उनकी कमर तोड़ कर रख दी है। सूबे की पुलिस ने अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं तस्करी के मामलों में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में की गई इन कार्रवाई में पुलिस ने शराब तस्करों के पास से अवैध देशी-विदेशी शराब एवं तस्करी के लिए उपयोग किए जाने वालें वाहन सहित 1 करोड़ 65 लाख रूपए की संपत्ति जब्त करने में सफलता हासिल की है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। इसके अलावा प्रदेश की पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि अवैध गतिविधियों सूचना नजदीकी पुलिस थाने अथवा डायल 112 को दें।

सूबे के शराब माफियाओं में मचा हड़कंप

इन जिलों में हुई बड़ी कार्रवाई: नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर पुलिस ने शराब के अड्डे पर छापामार कार्रवाई करते हुए 11 हजार 229 लीटर अवैध शराब जब्त की है। इसके अलावा शराब की तस्करी के लिए उपयोग होने वाले ट्रक को भी अपने कब्जे में ले लिया है। जब्त की गई कुल संपत्ति की कीमत तकरीबत 68 लाख 65 हजार रूपए आंकी गई है। बताया जा रहा है कि ये सोहागपुर पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। इधर इंदौर ग्रामीण पुलिस ने भी अवैध शराब के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 423 लीटर देशी-विदेशी अवैध शराब की 47 पेटी जब्त की है। पुलिस को अरोपियों के पास से तस्करी में प्रयुक्त होने वाली एक कार भी बरामद की है। जब्त संपत्तियां तकरीबन 7 लाख 12 हजार रूपए की बताई जा रही है। वहीं अलीराजपुर जिलें के कोतवाली पुलिस ने 1 हजार 884 लीटर अवैध शराब के साथ ही एक महिन्द्रा पिकअप वाहन जब्त किया है। इसकी कीमत भी 13 लाख 51 हजार रूपए है। सागर जिले के थाना रहली पुलिस ने एक पिकअप वाहन से 32 पेटी अवैध शराब बरामद की है। अवैध शराब की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को भी पुलिस ने हिरासत में लेने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने इनके पास से भी 6 लाख 60 हजार रूपए की संपत्ति अपने कब्जे में ली है। वहीं विदिशा जिले के कोतवाली पुलिस ने एक कार से शराब की तस्करी कर रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 99 लीटर की 11 पेटी अवैध शराब बरामद की है। जब्त संपत्तियों की कीमत 3 लाख 65 हजार रूपए बताई जा रही है। इसके साथ ही मुरैना जिले के बागचीनी पुलिस ने भी दो अवैध शराब माफियाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 4 लाख 72 हजार रूपए कीमत की 20 पेटी अवैध शराब एवं 1 कार जब्त की है। दतिया जिलें में भी पुलिस ने ऐसे 2 आरोपियों को धर-दबौचा है जो स्कॉर्पियों वाहन से शराब की तस्करी को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 लाख 29 हजार रूपए कीमत की 577 लीटर अवैध शराब एवं स्कॉर्पियों वाहन जब्त किया है।

बर्फ जैसी ठिठुरन की जकड़ में पूरा प्रदेश

पूर्वी इलाकों में पारा 1.7 डिग्री तक लुढ़का, कोहरे ने बढ़ाई मुश्किलें

भोपाल । मध्यप्रदेश इस वक्त कड़ाके की सर्दी की चपेट में है। खासतौर पर प्रदेश के पूर्वी हिस्से जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ठंड का असर इस सीजन में पहली बार इतना तीखा महसूस किया जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 1.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो प्रदेश में इस सर्दी का अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। मौसम विभाग का कहना है कि यह ठंड अभी थमने वाली नहीं है। बुधवार को भी प्रदेश में ऐसा ही मौसम बना रहेगा और न्यू ईयर सेलिब्रेशन भी कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच होगा।

कोहरे की मार, 10 से ज्यादा ट्रेनें देरी से दौड़ रहीं: घने कोहरे का असर यातायात पर भी साफ नजर आ रहा है। दिल्ली से भोपाल, इंदौर और उज्जैन की ओर आने वाली मालवा एक्सप्रेस, शताब्दी, सचखंड और कर्नाटक एक्सप्रेस समेत 10 से अधिक ट्रेनें रोजाना लेट चल रही हैं। बुधवार सुबह भी कई ट्रेनों ने अपने तय समय से काफी देरी से स्टेशनों पर पहुंचकर यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी।

जेट स्ट्रीम और पश्चिमी विक्षोभ ने बढ़ाई सर्दी की धार: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पहाड़ी राज्यों में जारी बर्फबारी और सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस का सीधा असर मध्यप्रदेश में दिख रहा है। मंगलवार को प्रदेश के ऊपर जेट स्ट्रीम की रफ्तार 259 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, जिससे रात के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को भी जेट स्ट्रीम के सक्रिय रहने की संभावना है, जिसका असर सर्दी के रूप में देखने को मिलेगा। सुबह के समय घना कोहरा, दिनभर सर्द हवाएं, कोल्ड डे और शीतलहर इन सभी वजहों से प्रदेश के कई इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मंडला और रीवा में तापमान 5 डिग्री, सतना में 5.2, दतिया में 5.7 और मलाजखंड में 5.8 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी भोपाल में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री रहा, जबकि इंदौर और ग्वालियर में 6.6 डिग्री, उज्जैन में 9.2 और जबलपुर में 7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के करीब 30 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे ही बना हुआ है।

इन जिलों सबसे ज्यादा ठंड

कल्याणपुर (शहडोल)	: 1.7 °C
नौगांव(छतरपुर)	: 3°C
उमरिया	: 3.1 °C
खजुराहो	: 4.4°C
राजगढ़	: 4.6°C
पचमढ़ी	: 4.8°C

50 मीटर तक सिमटी विजिबिलिटी

घने कोहरे ने कई जिलों में विजिबिलिटी बेहद कम कर दी। दतिया और खजुराहो में दृश्यता 50 से 200 मीटर के बीच दर्ज की गई। सतना, नौगांव, रीवा, सीधी, मंडला और खरगोन में भी सुबह के वक्त घना कोहरा छाया रहा, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ।

रिकॉर्ड तोड़ रही है इस साल की सर्दी

इस सीजन में ठंड लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है। नवंबर में भोपाल में लगातार 15 दिन तक शीतलहर चली, जो 1931 के बाद सबसे लंबा दौर रहा। 17 नवंबर की रात भोपाल का पारा 5.2 डिग्री तक पहुंच गया था, जो ओवरऑल रिकॉर्ड में शामिल हो गया। इंदौर में भी 25 साल बाद नवंबर-दिसंबर में तापमान 6.4 डिग्री तक लुढ़का। दिसंबर में भी ठंड का असर लगातार बना हुआ है और कई शहरों में पारा 5 डिग्री से नीचे पहुंच चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून में जुलाई-अगस्त सबसे अहम होते हैं, उसी तरह सर्दी के लिए दिसंबर और जनवरी निर्णायक महीने हैं। इन दो महीनों में उत्तर भारत से आने वाली सर्द हवाएं और पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में ज्यादा असर दिखाते हैं। यही वजह है कि दिन और रात दोनों समय तापमान में तेज गिरावट देखने को मिलती है।

वर्ष 2025 में भोपाल मंडल की प्रमुख उपलब्धियाँ

यात्री सुविधा एवं अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में किए उल्लेखनीय कार्य

भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में वर्ष 2025 के दौरान संरक्षा, यात्री सुविधा एवं अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य संपादित किए गए हैं। प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं–

1. सीआरएस निरीक्षण एवं नई रेल लाइन का उद्घाटन– भोपाल-रामगंजमंडी रेलखंड पर श्यामपुर (कि.मी. 235.0) से झारखेड़ा (कि.मी. 246.50) के मध्य कुल 11.50 कि.मी. नई रेल लाइन के उद्घाटन हेतु रेल संरक्षा आयुक्त से स्वीकृति प्राप्त हुई है।

2. अधिकतम अनुमेय गति में वृद्धि– भोपाल-बरखेड़ा डाउन लाइन पर नव-निर्मित तृतीय लाइन (कुल 47.35 कि.मी., विद्युतीकृत खंड) में ट्रेनों की अधिकतम गति 110 किमी/घं. से बढ़ाकर 130 किमी/घं. की गई है।

3. ट्रैक कार्य– कुल 85.981 कि.मी. ट्रैक नवीनीकरण कार्य पूर्ण, 2624.90 कि.मी. मुख्य लाइन ट्रैक की टैम्पिंग, 1570 टर्नआउट की टैम्पिंग, 11 दोषपूर्ण लेआउट का मानक अनुसार सुधार

4. फुट ओवर ब्रिज–12 मीटर चौड़े 02 एफओबी नर्मदापुरम एवं हरदा स्टेशन पर कमीशंड, 12 मीटर चौड़े 05 एफओबी हरदा, विदिशा, संत हिरदाराम नगर, रुठियाई एवं शिवपुरी स्टेशनों पर लॉन्च, 12 मीटर से कम चौड़ाई के 03 एफओबी बरैठ, दीवानगंज एवं कल्हार स्टेशनों पर लॉन्च।

5. अमृत स्टेशन योजना– अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत नर्मदापुरम एवं शाजापुर स्टेशनों का कार्य पूर्ण किया गया।

6. लिफ्ट की कमीशनिंग– इटारसी स्टेशन पर 01 लिफ्ट का कार्य पूर्ण कर कमीशन किया गया।

7. एस्केलेटर की कमीशनिंग– भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 साइड पर 01 एस्केलेटर कमीशन किया गया।

8. वर्षा जल संचयन– सीआरडब्ल्यूएस एवं रानी कमलापति रेलवे कॉलोनी में वर्षा जल संचयन कार्य पूर्ण किया गया।

9. माल गोदाम– माललदान को बढ़ाने के लिए पनिहार स्टेशन पर गुड्स शेड का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।

10. हरदा स्टेशन पर पुराने इंटरलाकिंग सिस्टम का प्रतिस्थापन– सिग्नलिंग एवं परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए हरदा स्टेशन पर पुराने इंटरलाकिंग सिस्टम का प्रतिस्थापन करते हुए इलेक्ट्रानिक इंटरलाकिंग की कमीशनिंग किया गया।

11. स्थायी गति प्रतिबंधों में सुधार से नेटवर्क क्षमता में वृद्धि– इटारसी-नागपुर खंड के पवारखेड़ा-जुझारपुर अप फ्लाईओवर के बीच स्थायी गति प्रतिबंध 15 को 30 किमी/घंटा तक, बीना-भोपाल खंड पर सोरई-विदिशा के बीच 120 से 130 किमी/घंटा तक एवं रूठियाई-मक्सी खंड पर चॉचौड़ा बीनागंज-पचोर रोड के बीच स्थायी गति प्रतिबंध 60 किमी/घंटा को हटाकर सेक्शन को नार्मल गति 110 किमी/घंटा की गति से रिप्लेस किया गया है। जिससे ट्रेनों की औसत गति, लाइन क्षमता एवं समय पालन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ।

12. सीसीटीवी कैमरे का स्टेशनों पर इंस्टालेशन– यात्रियों के सुरक्षा निगरानी के लिए 2025 में मंडल के इटारसी, अशोकनगर, बीना, शाजापुर, मंडीदीप, मावन, पगारा, बदरबास जैसे स्टेशनों पर कुल 34 से अधिक सीसीटीवी कमरे लगाये गये है।

न्यू ईयर के नाम पर साइबर ठगी का अलर्ट

भोपाल कमिश्नरेट ने जारी की एडवाइजरी

भोपाल । नए साल 2026 के जश्न के बीच साइबर अपराधियों की सक्रियता भी बढ़ गई है। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट की साइबर क्राइम शाखा ने नववर्ष की शुभकामनाओं के नाम पर हो रही ऑनलाइन ठगी को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। पुलिस ने साफ कहा है कि 'Happy New Year' के नाम पर भेजे जा रहे लिंक, वीडियो और ऐप लोगों को बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं।साइबर क्राइम एडवाइजरी के मुताबिक, ठग फर्जी शुभकामना संदेशों के जरिए मोबाइल में मैलवेयर इंस्टॉल कर बैंक, क्कु और निजी जानकारी चुरा रहे हैं।

इन तरीकों से हो रही ठगी: शुभकामना कार्ड या वीडियो के नाम पर फर्जी लिंक भेजना, बैंक या UPI लॉगिन जैसे नकली पेज का लिंक देना, सोशल मीडिया पर नववर्ष गिफ्ट या लकी ड्रॉ का लालच, व्हाट्सऐप पर फर्जी ऑफर और कूपन भेजना, New-Year-Wishes.apk जैसी फर्जी .apk फाइल डाउनलोड कराना

क्या करें, क्या न करें: किसी भी अनजान लिंक या अटैचमेंट पर क्लिक न करें, बैंक, UPI, OTP या कार्ड की जानकारी साझा न करें, केवल आधिकारिक वेबसाइट या ऐप से ही ऑफर स्वीकार करें, सोशल मीडिया पर अजनबी अकाउंट से बातचीत से बचें, मोबाइल में सिक्योरिटी अपडेट और एंटीवायरस चालू रखें, गलती से फर्जी ऐप इंस्टॉल हो जाए तो तुरंत मोबाइल इंटरनेट बंद करें, बैंक को सूचना देकर पासवर्ड बदलें, Gmail सहित अन्य अकाउंट्स का पासवर्ड बदलें, टू-स्टेप वेरिफिकेशन ऑन करें, WhatsApp में लिंक्ड डिवाइस चेक कर अनजान डिवाइस लॉगआउट करें।

आचार्य विद्यासागर गुरुकुल में विशेष संस्कार एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम 4 जनवरी को

भोपाल । आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आदर्शों से प्रेरित विद्यासागर गुरुकुल में दिनांक 4 तारीख को एक विशेष संस्कार एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुरुकुल के बच्चों में संस्कार, आत्मअनुशासन, शिक्षा के प्रति रुचि एवं जीवन मूल्यों का विकास करना है। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कृष्ण गौर जी है जो कि अपनी ओजस्वी वाणी से बच्चों में नई उर्जा का संचार करेंगी । बच्चे 72 कलाओं के माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर रहें और पुरानी गुरूकुल पद्धति से जीवन यापन कर रहे हैं परिषद की यह विजिट निश्चित ही बच्चों को प्रेरणादायक रहेगी । कार्यक्रम में गुरुकुल के विद्यार्थियों द्वारा प्रेरक प्रस्तुतियाँ, आशीर्वचन तथा नैतिक शिक्षा से जुड़े विचार साझा किए जाएंगे। साथ ही समाजजनों को गुरुकुल की गतिविधियों से जोड़ने एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य हेतु सहयोग व प्रेरणा का संदेश दिया जाएगा।

9 जनवरी को होगा संभागीय अधिवेशन

साथ ही हम 51 औषधीय पौधों को रोपेंगे जिनकी देखभाल गुरूकुल द्वारा की जाएगी । गुरुकुल प्रबंधन ने और संचालक विनय भैय्या जी ने समाज के सभी श्रद्धालुजनों, अभिभावकों एवं शिक्षाप्रेमी नागरिकों से इस कार्यक्रम। में उपस्थित होने का आग्रह किया है। साथ ही 9 तारीख को संभागीय अधिवेशन जो कि अयोध्या जैन मंदिर जी से होना है हमने हमारे दो वर्षों के कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की है हमारी शाखाओं ने हमारे साथ मिलकर जो काम किए हैं उनका अलंकरण समारोह है जिसमें हमने केन्द्रीय अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जी,प्रभा जी एवं सरला समरिया जी को व प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी,मंजू मंगन जी, सुगंधी जी को आमंत्रित किया है आपकी प्रेरणा से हमने समाजसेवा की उसमें जिन शाखाओं ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया उनको हम पुरूस्कृत करने जा रहे हैं आप विशिष्ट अतिथियों के सान्निध्य में पद्मावती संभाग अध्यक्ष कुमुदिनी बरया जैन संभागीय सचिव डाक्टर सविता जैन पद्मावती संभाग भोपाल की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित होगा।

विकास कार्यों के लिए कोई भेद-भाव नहीं : देवड़ा

भोपाल ।उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धमनार में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 33 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली तीन सड़कों का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए कोई भेद-भाव नहीं होगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने मल्हारगढ़ क्षेत्र में 2 करोड़ 99 लाख 84 हजार रुपये की लागत से टांकेडा से रावटी व्हाया झाकेड़ा पहुंच मार्ग, 2 करोड़ 74 लाख 58 हजार रुपये की लागत से निपानिया बड़वन से कुचडौद मार्ग तथा 27 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से धमनार से छाजूखेड़ा व्हाया बाबरेचा, दलौदा, लदुसा, छायन, रसूलपुर मार्ग का भूमिपूजन किया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में जनता ने हमें सेवा का अवसर दिया है। सरकार निरंतर विकास के कार्य कर रही है। प्रजातंत्र में जनता का आशीर्वाद ही सबसे बड़ा बल होता है, जिससे विकास कार्य लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में बड़ी संख्या में सड़कों का निर्माण हुआ है, नदियों से पानी लेकर खेतों तक पहुंचाने की योजनाएं सरकार द्वारा लागू की गई हैं। नदी जोड़ो परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं के नियंत्रण में भी सहायता मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक,मुद्रक,एवं संपादक, कल्याण मल जैन द्वारा समता प्रिंटर्स , बी-15 प्रेस कापलेस, जोन-1 एमपीनगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित कराकर शॉप नबर 3 एस के टॉवर , अल्पना टॉकीज के पीछे भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक- कल्याण मल जैन , मो.8349212122, स्थानीय संपादक-कथक मल जैन। समाचार चयन के लिए पीआरबी एट के तहत जिमेदार (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।) RNI.NO.MPHIN/2013/54854